मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, रविवार 27 सितंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-166, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

यूएन में नेतन्याहू के भाषण का 75 देशों ने किया वॉकआउट, जमकर हुई हूटिंग

न्यूयॉर्क। ईरान सहित कई मुस्लिम देशों पर हमलों को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना पक्ष रखने के लिए जब नेतन्याहू मंच पर खड़े हुए, तो दुनिया के करीब 75 से अधिक देशों के राजनयिकों और प्रतिनिधियों ने उनके भाषण का पुरजोर बहिष्कार कर दिया। इस वॉकआउट को देखकर इजरायली प्रधानमंत्री पहले तो कुछ पलों के लिए शांत होकर खड़े रहे, लेकिन जल्द ही उन्होंने इस पर बेहद तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने वॉकआउट करने वाले प्रतिनिधियों को नैतिक रूप से कायर करार दिया।

अपने भाषण के दौरान उन्होंने एक पेजर दिखाया और वहां मौजूद लोगों को लेबनान में ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह के लड़ाकों के खिलाफ सितंबर, 2024 में इजरायल द्वारा किए गए ऑपरेशन की याद दिलाई। नेतन्याहू ने कहा कि पिछले तीन सालों में इजरायली सैनिकों ने सात मोर्चों पर युद्ध लड़ा है। क्या आप न्यू जर्सी के आकार के किसी ऐसे देश के बारे में जानते हैं जो तीन साल तक सात मोर्चों पर लड़ सके? इजरायल प्रधानमंत्री द्वारा कही गई बातों का विरोध हुआ। 75 देशों के राजनयिकों ने हूटिंग की और विरोध जताते हुए हॉल से बाहर चले गए। उन्हें सिर्फ अपनी टीम का समर्थन मिला, जो खड़े होकर तालियां बजा रहे थे।

भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट जारी

हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल है मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट की कोर थीम: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री गणेश अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर एक लंबे अंतराल के बाद भोपाल विकास योजना-2047 (मास्टर प्लान) के प्रारूप (ड्रॉफ्ट) का प्रकाशन कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि कैपिटल सिटी की यह विकास योजना (मास्टर प्लान) भोपाल की प्राकृतिक धरोहर- भोजताल, वन क्षेत्रों एवं बाघ भ्रमण क्षेत्र के संरक्षण के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, सुगम मोबिलिटी और आर्थिक विकास के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से तैयार की गई है। इस विकास योजना में हरित टीडीआर का बेहतर प्रावधान किया गया है, इससे हरित क्षेत्र में आने वाली भूमि के स्वामियों की क्षतिपूर्ति के साथ विकासकताओं को टीडीआर के जरिए अतिरिक्त विकास की सुविधा भी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध, सुगम, सुरक्षित और विकसित भोपाल के संकल्प की दिशा में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भोपाल विकास योजना के प्रकाशित प्रारूप पर नागरिकगण अपनी आपत्ति एवं सुझाव दे सकते हैं।

प्रकाशित भोपाल मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट सतत विकास, समावेशी शहर और समृद्ध भविष्य की संकल्पना से अभिप्रेरित है। इसकी कोर थीम हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल रखी गई है। इस मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट के चार प्रमुख आधार स्तंभ रखे गए हैं। इसमें पहला प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्र के संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। इसके बाद दूसरा आधुनिक दृष्टिकोण एवं नागरिक हितैषी नियोजन पर बल दिया गया है। तीसरा सुधारोन्मुख एवं परिवर्तनकारी नियोजन को भी केन्द्रीय लक्ष्य (कोर टारगेट) में रखा गया है। चौथा इस मास्टर प्लान को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले सतत विकास की अवधारणा पर केन्द्रित किया गया है।

भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट जारी होने पर विभिन्न व्यापारी संघों ने मुख्यमंत्री का आभार जताकर किया अभिनन्दन

हम जो कहते हैं,करके भी दिखाते हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की बहुप्रतीक्षित मांग (शासकीय बसों का संचालन) पूरी होने पर इस स्वर्णिम सौगात के लिए प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि हम जो कहते हैं, वो करके भी दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' एवं 'पीएम ई-बस सेवा' के जरिए हमने अनंत चतुर्दशी के मंगल अवसर पर प्रदेशवासियों को खुशियों की अनंत सौगात दी है। उन्होंने कहा कि 25 सितम्बर को मध्यप्रदेश के नागरिकों, विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में रहने वाले हमारे भाई-बहनों के जीवन में सुगम परिवहन से सहज परिवर्तन लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले दो दशकों में शासकीय बसों का संचालन बंद होने के कारण हमारे ग्रामीण अंचलों में सार्वजनिक परिवहन का बड़ा अभाव बना हुआ था। दूर-दराज के कई गांव मुख्य सड़कों से कट गए थे। गांव-देहात के हमारे गरीबों, किसानों एवं छात्र-छात्राओं को आने-जाने के लिए सीमित साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने अपने 'संकल्प पत्र' में भी यह सेवा प्रारंभ करने का उल्लेख किया था। गत दिवस शुक्रवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी के साथ इस सेवा का मंगल आरम्भ करते हुए संकल्प को धरातल पर साकार कर दिया है।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा एवं पीएम ई-बस सेवा की शुरुआत पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट की विशेषताएं

- प्राकृतिक संवेदनशीलता सम्मत नियोजन इस मास्टर प्लान की प्रमुख विशेषता है।
- आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन सम्बन्धी प्रस्ताव।
- महानगरीय अवधारणा के अनुरूप प्रस्ताव।
- ग्रोथ कॉरिडोर के माध्यम से शहर का आर्थिक विकास।
- राज्य की टीओडी नीति के अनुरूप मिश्रित भूमि उपयोग का प्रस्ताव।
- असीमित एफएआर एवं भवन ऊंचाई।
- विकास मापदंडों का सरलीकरण एवं युक्तियुक्तकरण।
- मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में शहर के हरित क्षेत्र को 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया है।
- विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए पूंजी संग्रहण की समुचित व्यवस्था।
- क्रिएटिव री-डेवलपमेंट के माध्यम से पुनर्विकास।
- अफोर्डेबल हाउसिंग को प्रोत्साहन दिया गया है।
- हरित टीडीआर के प्रावधान भी किए गए हैं।
- मास्टर प्लान के क्रियान्वयन का प्रभावी पर्यवेक्षण भी सुनिश्चित किया गया है।
- मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में सुरक्षित शहर (सेफ सिटी) के सभी प्रावधान भी किए गए हैं।
- पार्किंग प्रोत्साहन संबंधी प्रावधान भी किए गए हैं।
- निजी विकासकताओं द्वारा विकास योजना की मांगों का क्रियान्वयन भी तय किया गया है।
- मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में भोपाल को इकाई सिटी (एडअक- एज्युकेशन, नॉलेज एंड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सिटी) के रूप में डेवलप करने के लिए भी समुचित प्रस्ताव/प्रविधान किए गए हैं।

चारधाम यात्रा स्थगित: लगातार बारिश

गढ़वाल आयुक्त के आदेश के बाद ग्रीन व ट्रिप कार्ड का काम भी रोका

एजेन्सी, **देहरादून**

पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप की ओर से चारधाम यात्रा को रविवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। वहीं, गढ़वाल आयुक्त के आदेश मिलने के बाद एआरटीओ कार्यालय में भी ग्रीनकार्ड और ट्रिप कार्ड का काम रोक दिया गया है।

लगातार हो रही बारिश को देखते हुए चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त चारधाम यात्रा प्रबंधन व नियंत्रण संगठन, गढ़वाल मंडल की ओर से मौसम विज्ञान केंद्र से प्राप्त मौसम संबंधी सूचना का संज्ञान लेते हुए शनिवार दोपहर से आज रविवार तक यात्रा को स्थगित कर दिया गया है।

सूचना मिलने के बाद एआरटीओ कार्यालय में ग्रीन कार्ड ट्रिप का काम रोक दिया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ऋषिकेश रावत सिंह कटारिया ने बताया कि आदेश मिलने के बाद यात्रा रोक दी गई है। यात्रियों को ट्रांजिट कैंप में रुकने के लिए कहा गया है।

आपातकालीन परिचालन केंद्रों से स्थिति पर नजर रखी जा रही

उत्तराखंड में मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के बाद आपदा प्रबंधन तंत्र पूरी तरह अलर्ट पर है। आपदा प्रबंधन मंत्री मदन कौशिक ने बताया कि राज्य और जिला स्तर पर मौसम की लगातार निगरानी की जा रही है। सभी संबंधित विभागों को एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। आपातकालीन परिचालन केंद्रों से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

बंगाल के मदरसों में वंदे मातरम अनिवार्य

सीएम शुभेंदु बोले- घुसपैठियों को खदेड़ेंगे

एजेन्सी, **कोलकाता**

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के स्कूलों और पंजीकृत मदरसों में वंदे मातरम का गायन अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने यह बात कोलकाता स्थित नेशनल लाइब्रेरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। सीएम अधिकारी ने कहा कि इसे स्कूलों और पंजीकृत मदरसों में गाना जरूरी होगा।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पिछली ममता बनर्जी सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने राज्य में घुसपैठियों को आने दिया, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदल गई। अधिकारी ने अपनी सरकार को राष्ट्रवादी सरकार बताते हुए सनातनी परंपरा को प्राथमिकता देने की बात कही।

सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में रहने के दौरान राज्य की सीमाओं को सुरक्षित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि घुसपैठियों को वापस भेजा जाएगा। उनका कहना था कि राज्य में ऐसी सरकार है जो सनातनी परंपरा को प्राथमिकता देती है।

शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पिछली टीएमसी सरकार ने भाजपा और दूसरे हिंदुत्व संगठनों को छह दिसंबर को शौर्य दिवस मनाने की अनुमति नहीं दी थी। यह दिन अयोध्या में 1992 में बाबरी मस्जिद के विध्वंस की याद में मनाया जाता है।

राम मंदिर को लेकर शुभेंदु ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जनवरी 2024 में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस दिन देश में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हो रहा था, उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंदिर के विरोध में रैली आयोजित करने के लिए पूरी सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया था।

वंदे मातरम को लेकर केंद्र ने भी चलाया विशेष अभियान

पिछले दिनों वंदे मातरम को लेकर केंद्र सरकार ने विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। इस साल राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम हुए। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा कि आजादी के बाद पहली बार स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से वंदे मातरम के सभी छंद गाया गया। केंद्र सरकार की ओर से आठ से 15 अगस्त तक देशभर में सैन्य बैंड के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

7वें दिन भारत ने जीते 7 मेडल

भारत को कबड्डी में दो गोल्ड महिला-पुरुष टीम चैंपियन

एजेन्सी, **नागोया (जापान)**

भारत ने शनिवार को एशियन गेम्स में कबड्डी के दोनों गोल्ड जीत लिए। महिला टीम ने ईरान को 37-34 और पुरुष टीम ने 40-34 से हराया। पुरुष टीम ने लगातार 10वीं और महिला टीम ने लगातार 5वीं बार मेडल जीता।

एथलेटिक्स में तजिंदरपाल सिंह तूर और सावन बरवाल ने सिल्वर, जबकि प्राची चौधरी ने 400 मीटर में ब्रॉन्ज जीता। शूटिंग में 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम ने सिल्वर हासिल किया। स्क्वॉश में अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में पहुंचे, जबकि पुरुष हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची।

7वें दिन भारत ने 7 मेडल जीते। अब भारत के खाते में 4 गोल्ड, 12 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज समेत 30 मेडल हैं। टीम मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

महिला फाइनल में भारत ने ईरान को 37-34 से हराया। हाफटाइम तक भारत 22-16 से आगे था, लेकिन दूसरे हाफ में ईरान ने वापसी करते हुए अंतर सिर्फ एक अंक कर दिया। इसके बाद संजू देवी ने अहम रेड से बढ़त मजबूत की।

विवाद के बाद चुनाव आयोग का फैसला: अब तक 30 राज्य-UT में 13.37 करोड़ नाम कटे

एसआईआर में नाम कटा, तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

मतभेद की खबरों के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने दिल्ली में बैठक की। चुनाव आयोग के मुताबिक, जिन लोगों के एसआईआर में नाम काटे गए हैं, उनके दावे और आपत्तियों की समय सीमा बढ़ाई गई है।

जिन लोगों को नाम मैप नहीं होने या रिकॉर्ड में गड़बड़ी के कारण नोटिस भेजा गया है, बीएलओ उनके घर जाकर जरूरी दस्तावेज जमा करेंगे और चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। इन पर रीजनल इलेक्टोरल अफसर फैसला लेगा।

इसके अलावा बैठक में नाइट शेल्टर में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों और बेघर लोगों के लिए पर्याप्त हेल्प डेस्क या स्पेशल कैंप लगाए जाने का भी फैसला लिया गया। एसआईआर के दौरान अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक देश में कुल 96.88 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, यानी करीब 14.1% वोटर्स के नाम एसआईआर में काटे गए।

यह बैठक तब हुई जब ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच चुनाव आयोग के फैसलों पर मतभेद का दावा किया जा रहा है। रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी ने आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

दिल्ली-महाराष्ट्र में 30 अक्टूबर तक क्लेम कर सकेंगे

बैठक में फैसला लिया गया कि दिल्ली, महाराष्ट्र में क्लेम और ऑब्जेक्शन दाखिल करने की तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में विवाद का निपटारा 30 नवंबर और महाराष्ट्र में निपटारा 10 नवंबर तक करना होगा। गोवा में जिन वोटर्स का नाम छूट गया है, वहां ब्लॉक अफसर घर-घर जाकर फॉर्म-6 कलेक्ट करेगा। एसआईआर में अगर आपका नाम लिस्ट में नहीं है या छूट गया है तो फॉर्म-6 के जरिए नाम शामिल कराने का दावा किया जाता है। आयोग ने कहा कि फॉर्म-6 पर कोई विवाद है ही नहीं। फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है।

रिपोर्ट पर कहा- चुनाव आयुक्तों के लेटर एसआईआर पर नहीं थे

पूरा विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की जिस रिपोर्ट से शुरू हुआ, चुनाव आयोग ने उस पर भी सफाई दी। आयोग ने कहा कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव को जो लेटर भेजा था, वह एसआईआर या चुनाव आयोग के किसी फैसले से जुड़ा नहीं था, बल्कि चुनाव पैनल में आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति के बीच एउ ने कैबिनेट सचिव को लेटर लिखा है।

यह मामला चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर चल रहे विवाद के बीच सामने आया है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्ति जताई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार को हटाने और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया।

दहेज प्रताड़ना मामले में हाईकोर्ट का फैसला

दहेज प्रताड़ना केस में पति को राहत नहीं, सास-ससुर के खिलाफ कार्रवाई पर रोक

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने दहेज प्रताड़ना और वैवाहिक क्रूरता से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने पति के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से साफ इनकार कर दिया है, जबकि उसकी बुजुर्ग सास और ससुर को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई को निरस्त कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ द्वारा अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के बाद पारित किया गया है।

क्या था पूरा मामला और एफआईआर की पृष्ठभूमि? यह पूरा कानूनी विवाद भोपाल के महिला थाना जहांगीराबाद में दर्ज एक मामले से जुड़ा है। यहां एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (विवाहिता से क्रूरता) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पति कार्तिक तिवारी और उनके माता-पिता (सास किरण तिवारी तथा ससुर अशोक तिवारी) की ओर से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गईं। इन याचिकाओं में मांग की गई थी कि उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर और पुलिस जांच जैसी तमाम आपराधिक कार्रवाइयों को कानूनी रूप से निरस्त कर दिया जाए। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने अदालत में दलील दी कि पत्नी ने अपने वैवाहिक घर को छोड़ने के कई महीनों बाद यह एफआईआर दर्ज कराई है। इसके अलावा, यह भी तर्क दिया गया कि यह एफआईआर ठीक उस समय दर्ज कराई गई जब पति की ओर से तलाक का आवेदन अदालत में पेश किया जा चुका था। याचिकाकर्ताओं का दावा था कि यह मामला आपसी मनमुटाव के चलते दुर्भावनापूर्ण तरीके से दर्ज कराया गया है, इसलिए इसे खारिज किया जाना चाहिए।मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की एकलपीठ ने पति कार्तिक तिवारी की ओर से दिए गए तर्कों को मानने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि केवल इस आधार पर पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को निरस्त नहीं किया जा सकता कि उसने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 10 के तहत अलग से कानूनी कार्यवाही शुरू कर रखी है। अदालत ने मामले की डायरी और बयानों का सूक्ष्म अध्ययन करने के बाद पाया कि एफआईआर में पति के खिलाफ सीधे तौर पर दहेज की मांग करने और पत्नी को गंभीर रूप से प्रताड़ित करने के विशिष्ट आरोप दर्ज हैं। इन पुख्ता आरोपों के आधार पर अदालत ने पति को कोई राहत देने से मना कर दिया और उसके खिलाफ मामला जारी रखने का आदेश दिया।

बरगी बांध विस्थापितों की समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित, कई अहम मुद्दे आज भी लंबित

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

बरगी बांध विस्थापन के इतने साल बीत जाने के बाद भी विस्थापित परिवारों के पुनर्वास से जुड़े कई अहम मुद्दे आज भी लंबित हैं। इन समस्याओं के समाधान और विस्थापितों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को 'सच्चा प्रयास समिति', बरगी नगर के तत्वावधान में एक विशेष प्रशिक्षण और अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विस्थापितों की प्रमुख समस्याएं और बैठक के मुद्दे बरगी नगर में आयोजित इस कार्यक्रम में 13 अलग-अलग गांवों के ग्रामीण, सामुदायिक नेता और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। मुख्य वक्ता राजकुमार सिन्हा, राजेश तिवारी और संस्था प्रमुख परवेज खान की उपस्थिति में विस्थापितों के सामने आ रही दिक्कतों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान भूमि वापसी, विस्थापित गांवों को आधिकारिक रूप से 'राजस्व ग्राम' घोषित करने, पात्र परिवारों को आवासीय पट्टे देने और वन अधिकार अधिनियम के तहत कृषि व आवासीय भूमि के पट्टे जारी करने की मांग जोर-शोर से उठाई गई। इसके अलावा गांवों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव का मुद्दा भी प्रमुखता से रखा गया। अधिकारों की जानकारी और प्रशासनिक संवाद की रणनीति प्रशिक्षण सत्र के दौरान ग्रामीणों को विस्थापन और पुनर्वास से जुड़े कानूनी प्रावधानों तथा उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। वक्ताओं ने जोर दिया कि वर्षों पुरानी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने संगठित तरीके से अपनी बात रखनी होगी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जल्द ही एक 'जनसमस्या निवारण संवाद कार्यक्रम' आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष सभी मांगें तथ्यात्मक रूप से रखी जाएंगी। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा बरगी विस्थापितों के हित में पूर्व में जारी किए गए सरकारी आदेशों के पालन की मौजूदा स्थिति की भी समीक्षा की जाएगी।प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और आगामी संवाद कार्यक्रम की तैयारियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक विशेष समन्वय समिति का गठन किया गया है। यह समिति विस्थापित ग्रामीणों, स्थानीय विधायकों, जिला पंचायत, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायतों के सरपंचों के बीच संपर्क साधकर उन्हें आगामी कार्यक्रम में आमंत्रित करेगी। इस बैठक में नन्हेंलाल रजक, धनलाल, जममन पटेल और रघुवीर झारिया सहित क्षेत्र के तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

दुष्कर्म मामले में ओएफके के कर्मचारी को अग्रिम जमानत

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म के एक मामले में आयुध निर्माणी खमरिया जबलपुर के कर्मचारी नेता अर्नब दासगुप्ता को बड़ी राहत देते हुए अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है। न्यायमूर्ति रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन की एकलपीठ ने यह आदेश पारित किया है। याचिकाकर्ता के तर्क और यात्रा के प्रमाण सुनवाई के दौरान आवेदक की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ताओं प्रसन्नजीत चटर्जी और कबीर पाल ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता महिला द्वारा यह मामला दर्ज कराने से ठीक पहले, कर्मचारी नेता ने उस महिला के खिलाफ मंदिर में हंगामा करने के मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई के रूप में यह गंभीर आरोप लगाया गया। अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष यह भी दावा किया कि जिस तारीख को कथित घटना होना बताया गया है, उस दिन आवेदक देहरादून से दिल्ली की यात्रा पर था। इस दावे के समर्थन में अदालत में यात्रा से जुड़े दस्तावेज और तथ्य भी पेश किए गए, जिन्हें न्यायालय ने ध्यान में रखा। तथ्यों और दलीलों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद हाईकोर्ट की एकलपीठ ने अर्नब दासगुप्ता को अग्रिम जमानत का लाभ दे दिया। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया है कि यह राहत इस मुख्य शर्त के अधीन रहेगी कि याचिकाकर्ता को पुलिस जांच में पूरा सहयोग करना होगा।

यूआई ग्रीनमेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में मंगलायतन विश्वविद्यालय की शानदार उपलब्धि

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मंगलायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर ने वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारत में 9वां स्थान, एशिया में 159वां स्थान तथा विश्व स्तर पर 280वां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, हरित परिसर एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 17वें संस्करण में विश्व के 110 देशों के 2,016 विश्वविद्यालय एवं उच्च शिक्षण संस्थानों को शामिल किया गया है। यह वैश्विक रैंकिंग उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसर में सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और हरित पहलों के प्रदर्शन का व्यापक मूल्यांकन करती है। विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन सात प्रमुख मानकों के आधार पर किया जाता है, जिनमें परिसर एवं अवसंरचना, ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण, परिवहन, शिक्षा तथा सतत विकास से संबंधित पहल एवं नीतियां शामिल हैं। इन मानकों के अंतर्गत विभिन्न संकेतकों के माध्यम से विश्वविद्यालयों के पर्यावरणीय प्रयासों एवं सतत विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का आकलन किया जाता है। मंगलायतन विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के लिए किए जा रहे व्यापक प्रयासों का परिणाम है। विश्वविद्यालय द्वारा हरित परिसर, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन, पर्यावरण जागरूकता, सतत परिवहन तथा सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों एवं पहलों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। भारत में 9वां, एशिया में 159वां और विश्व में 280वां स्थान प्राप्त करना विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों के बीच पर्यावरणीय चेतना विकसित करने तथा एक स्वच्छ, हरित और सतत परिसर के निर्माण की दिशा में विश्वविद्यालय के निरंतर प्रयासों को वैश्विक पहचान प्रदान करती है। इस अवसर पर मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलगुरु ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, 'सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर विश्वविद्यालय को मिली यह पहचान हमारे पूरे विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हम एक हरित एवं सतत परिसर के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में एक अधिक सतत और जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान दे सकें। मंगलायतन विश्वविद्यालय एक स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार शिक्षण वातावरण विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

भारत में 9वां, एशिया में 159वां और विश्व में 280वां स्थान प्राप्त किया

तेज रफ्तार बाइक ने दूसरी मोटर साइकिल को मारी टक्कर, 2 घायल

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

पाटन-शहपुरा मार्ग पर नृत्य गोपाल मंदिर के पास तेज रफ्तार और लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक अनियंत्रित मोटरसाइकिल ने आगे चल रही दूसरी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार बाइक ने मारी जोरदार टक्कर माढ़ोताल (जबलपुर) के मदर टेरेसा निवासी 32 वर्षीय संतोष मरावी ने पाटन थाने में इस हादसे की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों कमलेश सिंह, रतनलाल मरावी और पंकज यादव के साथ मजदूरी करने पाटन के खमदेही गए थे। बीती 24 सितंबर की शाम करीब 7:10 बजे जब वे सभी वापस लौट रहे थे, तभी पाटन-शहपुरा मार्ग पर नृत्य गोपाल मंदिर के पास शहपुरा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल (क्रमांक स्क्क20 ह्र्ष 4176) के चालक ने बेहद लापरवाही से वाहन चलाते हुए रतनलाल की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दो लोग घायल और पुलिस कार्रवाई इस भीषण टक्कर से रतनलाल मरावी और उनकी बाइक पर पीछे बैठे पंकज यादव सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में दोनों के हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 125-ए के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हाईकोर्ट से याचिका वापस होने के बाद सरकार के 13 अगस्त के आदेश पर अमल की राह खुली

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत निजी संपत्तियों के रिकॉर्ड और स्वामित्व दस्तावेज तैयार करने का रास्ता अब साफ हो गया है। प्रदेश के करीब 22 हजार पटवारियों को 'एक्सीक्यूटिंग ऑफिसर' के रूप में जिम्मेदारी देने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को हाईकोर्ट में वापस लिए जाने के बाद खारिज कर दी गई। जस्टिस एमएस भट्टी की अदालत में हुई सुनवाई के बाद अब सरकार के 13 अगस्त 2026 के आदेश के क्रियान्वयन में कानूनी अड़चन नहीं रही। इस मामले में प्रांतीय पटवारी संघ की ओर से याचिका दायर कर सरकार के आदेश पर सवाल उठाए गए थे। संघ ने पटवारियों को स्वामित्व योजना के तहत निजी संपत्तियों के रिकॉर्ड एवं दस्तावेज तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपे जाने को लेकर वैधानिक और प्रशासनिक पहलुओं पर आपत्ति जताई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि पटवारी राजस्व प्रशासन में मैदानी स्तर पर कार्यरत कर्मचारी हैं, जबकि संपत्ति के अधिकार और उससे जुड़े महत्वपूर्ण निष्पादन संबंधी कार्य वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र से संबंधित होते हैं। ऐसे में पटवारियों को इस प्रकार की जिम्मेदारी सौंपने के लिए स्पष्ट वैधानिक एवं प्रशासनिक प्रावधान जरूरी हैं। संघ ने यह आशंका भी जताई थी कि स्वामित्व योजना के तहत रिकॉर्ड तैयार होने के बाद भविष्य में मालिकाना हक, सीमांकन और बंटवारे को लेकर विवाद सामने आ सकते हैं।

एमयू विभाजन का मामला हाईकोर्ट में लंबित, नियुक्ति के लिए जारी सूचना पर आपत्ति

नई मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु की नियुक्ति पर रोक की मांग

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन और नई 'मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विश्वविद्यालय' के गठन का मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद, नई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु पद के लिए शुरू की गई नियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। इस संबंध में राज्यपाल के उपसचिव को लिखित आपत्ति भेजकर यह मांग की गई है कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले में अंतिम फैसला नहीं सुनाता, तब तक कुलगुरु की नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। डॉ. पीजी नाजपांडे और रजत भार्गव की ओर से भेजी गई इस आपत्ति में बताया गया है कि 21 अगस्त को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के जरिए मध्य प्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अदालत ने इस मामले को विचारार्थ स्वीकार करते हुए गत 15 सितंबर को मध्य प्रदेश शासन को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब तलब किया है। आपत्तिकर्ताओं का तर्क है कि जब नई यूनिवर्सिटी के गठन का मूल मामला ही अदालत के विचाराधीन है, तो ऐसे में उससे जुड़े प्रशासनिक और नीतिगत निर्णयों, विशेषकर कुलगुरु पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने जैसी प्रक्रियाओं को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। बता दें कि राज्यपाल के उपसचिव द्वारा 10 सितंबर को नई मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन मंगाने की सूचना जारी की गई थी। आपत्तिकर्ताओं का कहना है कि न्यायालयीन कार्यवाही का परिणाम आने से पहले इस प्रकार की नियुक्तियों को अंतिम रूप देना उचित नहीं है, इसलिए अदालत के अंतिम निर्णय तक इस प्रक्रिया पर रोक लगाई जानी चाहिए।

हाईकोर्ट ने मप्र नर्सिंग रेग्युलेटरी काउंसिल से किया जवाब - तलब

निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता क्यों

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग घोटाला मामले में उच्च न्यायालय ने एक बार फिर कड़ी रुख अपनाते हुए नर्सिंग कॉलेजों को दी जा रही मान्यता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हाईकोर्ट की संयुक्तपीठ ने मानकों की अनदेखी कर मान्यता दिए जाने के मामले में मध्यप्रदेश नर्सिंग रेग्युलेटरी काउंसिल से जवाब-तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की संयुक्तपीठ द्वारा एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया। याचिकाकर्ता के गंभीर आरोप और जियो कोआर्डिनेट पर सवाल?? लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2022 में दायर की गई जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें प्रदेश के नर्सिंग शिक्षा तंत्र और कॉलेजों को मिलने वाली मान्यताओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। हाल ही में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पक्ष रखते हुए आरोप लगाया गया कि राज्य में कई ऐसे नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं जो आवश्यक बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और निर्धारित मानकों पर बिल्कुल खरे नहीं उतरते। इसके अलावा, यह भी गंभीर आरोप लगाया गया कि कुछ कॉलेजों द्वारा आवेदन के समय दिए गए जियो कोआर्डिनेट (भौगोलिक स्थिति) की जानकारी भी वास्तविकता से मेल नहीं खाती है। इन सभी बिंदुओं को आधार बनाते हुए सवाल उठाया गया कि आखिर बिना उचित सुविधाओं के ऐसे संस्थानों को मान्यता किस आधार पर दी जा रही है। याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए इन तमाम गंभीर बिंदुओं और आरोपों को सुनने के बाद, उच्च न्यायालय की संयुक्तपीठ ने प्राथमिक तौर पर प्रकरण की गंभीरता को समझा। हालांकि अदालत ने इन आरोपों पर अभी कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला है, लेकिन पारदर्शित सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश नर्सिंग रेग्युलेटरी काउंसिल को नोटिस जारी कर दिया है। न्यायालय ने काउंसिल को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह आगामी 10 दिनों के भीतर अपना विस्तृत जवाब पेश करे। इस मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की गई है। छात्रों के भविष्य और ट्रेनिंग को लेकर भी दिशा-निर्देश सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी सुनिश्चित किया कि इस पूरी प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया के बीच छात्रों के भविष्य और पढ़ाई पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। न्यायालय ने सभी संबंधित पक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे छात्रों की सुचारू पढ़ाई और व्यावहारिक प्रशिक्षण (Practical Training) को सुरक्षित रखने के लिए एक विशेष ट्रेनिंग मॉड्यूल और रूपरेखा तैयार करें, ताकि इधर-उधर ट्रांसफर किए गए विद्यार्थियों का शैक्षणिक नुकसान न हो।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर का होगा सम्मान

ग्वालियर। जागतिक कन्या दिवस के अवसर पर 27 सितंबर को शाम 4 बजे महाराष्ट्र समाज, जयेंद्रगंज के लोकमान्य तिलक सभागृह में 'सामाजिक अभिनंदन एवं सुर संगम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस विशेष समारोह में राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर का मुख्य रूप से अभिनंदन और सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने जानकारी दी कि इस अवसर पर उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी (मध्य प्रदेश शासन) के उपनिदेशक शेखर करहाडकर द्वारा 'सुर संगम' की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस कार्यक्रम में एमआईटीएस की प्रतिकुलगुरु डॉ. मंजरी पंडित विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह 16 अक्टूबर को

ग्वालियर। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षा समारोह आगामी 16 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस भव्य समारोह की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल करेंगे। समारोह में ख्याति प्राप्त वरिष्ठ शास्त्रीय गायक अजय पोहनकर (पुणे) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि मध्य प्रदेश के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी विशिष्ट अतिथि के तौर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।इस दीक्षा समारोह में सत्र 2024-25 और 2025-26 के मेधावी विद्यार्थियों को प्रावीण्य सूची के आधार पर स्वर्ण पदक और डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय शोध केंद्र के शोध विद्यार्थियों को शोध उपाधियां (क्कद्ध.ष्ठ.) भी बांटी जाएंगी।विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सत्र 2024-25 और 2025-26 के विद्यार्थियों की प्रावीण्य सूची आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। विद्यार्थी सूची का अवलोकन कर सकते हैं और यदि कोई आपत्ति हो, तो वे 30 सितंबर तक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

जिला स्तरीय शालेय बालिका क्रिकेट चयन ट्रायल 28 को

ग्वालियर। जिला परिसर कंपू पर सोमवार, 28 सितंबर को 70वीं जिला स्तरीय शालेय बालिका क्रिकेट चयन ट्रायल का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिभाशाली छात्राओं को आगे बढ़ने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।प्रतियोगिता की संयोजक एवं प्राचार्य रेनू बेदी तथा सहसंयोजक बृजेश शर्मा ने जानकारी दी कि यह चयन ट्रायल बालिका अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के लिए आयोजित की जा रही है। सुबह 9 बजे से शुरू होने वाली इस ट्रायल में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए अपनी पूरी क्रिकेट किट के साथ उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। इस जिला स्तरीय चयन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली चयनित बालिकाओं को आगामी संभागीय शालेय क्रिकेट स्पर्धा में ग्वालियर जिले का प्रतिनिधित्व करने और भाग लेने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाएगा।

ख्वाजा खानून साहब का सात दिवसीय उर्स 8 अक्टूबर से आयोजित होगा

***ग्वालियर।** सूफी संत हजरत ख्वाजा खानून साहब 'शाहे विलायत' का पारंपरिक सात दिवसीय उर्स हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस सात दिवसीय आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए प्रबंध समिति की एक विशेष बैठक दरगाह के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी साहब की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उर्स की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा बैठक के दौरान सज्जादानशीन ने उर्स के आठ दिवसीय (सात दिवसीय) कार्यक्रमों के संबंध में विस्तार से जानकारी साझा की। वहीं, नायब सज्जादानशीन डॉ. ऐजाज खानूनी ने मेले के दौरान किए जा रहे विभिन्न इंतजामों और आगे की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। वहीं, नायब सज्जादानशीन डॉ. ऐजाज खानूनी ने मेले के दौरान किए जा रहे विभिन्न इंतजामों और आगे की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। समितियों का गठन और जिम्मेदारियों का वितरण उर्स मेले के संयोजक राम बाबू कटारे ने आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न उप-समितियों के गठन का प्रस्ताव रखा। बैठक में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की उचित व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य आवश्यक प्रबंधों को लेकर रूपरेखा तैयार की गई तथा सभी सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं।*

न्यायदान केवल कानून की धाराओं का ज्ञान रखने तक सीमित नहीं

डीपफेक के दौर में असली-नकली साक्ष्य पहचानना बड़ी चुनौती: ग्वालियर न्यायिक सम्मेलन में बोले जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

सोशल मीडिया, यू-ट्यूब और डीपफेक तकनीक के दौर में अदालतों के सामने वास्तविक और कृत्रिम सामग्री में अंतर करना बड़ी चुनौती बन गया है। साक्ष्य कृत्रिम हो सकते हैं और उन्हें अदालत में पेश करने वाले भी तकनीक का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में न्यायिक अधिकारियों को आधुनिक डिजिटल साक्ष्यों की जटिलताओं को समझना होगा। यह बात सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने शनिवार को ग्वालियर में मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय न्यायिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कही। उन्होंने कहा कि न्यायदान केवल कानून की धाराओं का ज्ञान रखने तक सीमित नहीं है। अदालत में न्याय की उम्मीद लेकर आने वाले व्यक्ति और उसकी वास्तविक परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है। केवल जानना अमूर्त है, जबकि समझना उस ज्ञान का वास्तविक उपयोग है। दो दिवसीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के साथ चारों राज्यों की न्यायिक अकादमियों के निदेशक, रजिस्ट्री अधिकारी और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायिक अधिकारी शामिल हुए। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि न्यायिक शिक्षा किसी निश्चित पाठ्यक्रम या सिलेबस तक सीमित नहीं हो सकती। वर्षों का अनुभव यह बताता है कि अतीत में क्या देखा गया, लेकिन वास्तविक शिक्षा यह सिखाती है कि अब तक सामने नहीं आई परिस्थितियों से कैसे निपटना है। समाज लगातार बदल रहा है, इसलिए न्यायपालिका को भी अपनी सोच और समझ का दायरा लगातार बढ़ाना होगा। पुराने कानूनों की नई परिस्थितियों में व्याख्या उन्होंने कहा कि अपराधी तकनीक के इस्तेमाल में अधिक सक्षम और शातिर हो रहे हैं। ऐसे में न्यायाधीशों को दशकों पुराने कानूनों की वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप व्यावहारिक व्याख्या तलाशनी होगी। उन्होंने भारतीय न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए कहा कि देश और समाज के सामने जब भी नई चुनौतियां आईं, न्यायपालिका ने उनका मजबूती से सामना किया है और लोकतंत्र की रक्षा में अपनी भूमिका निभाई है। डीएनए से डिजिटल फुटप्रिंट तक पर प्रशिक्षण सम्मेलन में न्यायिक शिक्षा को बदलती कानूनी और तकनीकी जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर मंथन हुआ। डीएनए रिपोर्ट, वॉयस सैंपल और डिजिटल साक्ष्यों को समझने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत बताई गई। अपराध की जांच में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और डिजिटल फुटप्रिंट के बढ़ते महत्व के बीच इन साक्ष्यों की विश्वसनीयता समझने के लिए जांच और न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण पर भी जोर दिया गया। न्यायिक अधिकारियों को फॉरेंसिक लैब, पुलिस जांच और जेल व्यवस्था की कार्यप्रणाली समझाने के लिए फील्ड ट्रेनिंग का सुझाव भी सामने आया। इसके अलावा न्यायिक प्रशिक्षण में निष्पक्षता, समानता, संवेदनशीलता, एथिक्स, लाजिक और सायकोलाजी को शामिल करने तथा अधिकारियों को अपने पूर्वाग्रह और सीमाओं को पहचानकर लगातार सीखने की जरूरत बताई गई। सम्मेलन में मध्य प्रदेश में तीनों नए आपराधिक कानूनों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की पहल का भी उल्लेख हुआ। न्यायिक अकादमी में पारंपरिक प्रशिक्षण के बजाय 360 डिग्री और इमर्सिव लर्निंग को बढ़ावा देने तथा वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) और मेडिएशन को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश, मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक दिनेश चंद्र लाल सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर: दोनों छात्र उछलकर हाईवे पर गिरे, इकलौते बेटे के सिर से गुजरा पहिया, मौत, एक गंभीर

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर में एक दोस्त से मिलकर लौट रहे बाइक सवार दो छात्रों को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों छात्र उछलकर हाईवे पर जा गिरे। इसी दौरान ट्रक का पहिया एक छात्र के सिर से गुजर गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। हादसा मुरार थाना क्षेत्र में खुरैरी चौराहे के पास शाम हुआ। घटना के बाद भाग रहे ट्रक का पुलिस ने पीछा किया। पुलिस को पीछे आता देख आरोपी चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतक छात्र अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। शनिवार दोपहर जिला अस्पताल मुरार के पोस्टमार्टम हाउस में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। भिंड के गोहद स्थित संतोष नगर निवासी बालकृष्ण धवल का 17 वर्षीय बेटा लवकुश धवल कक्षा 12वीं का छात्र था। शुक्रवार को वह अपने दोस्त प्रशांत कुमार के साथ बाइक से बड़ागांव के पास खुरैरी में एक अन्य दोस्त से मिलने आया था। शाम को दोस्त से मिलने के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे खुरैरी चौराहे के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे ट्रक के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से सड़क पर गिरे, पहिए की चपेट में आया छात्र टक्कर लगते ही दोनों छात्र बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरे। इसी दौरान लवकुश ट्रक के पहिए की चपेट में आ गया। पहिया उसके सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रशांत के सिर और दाहिने पैर में गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को जिला अस्पताल मुरार पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद लवकुश को मृत घोषित कर शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। प्रशांत को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया है।हादसे के बाद पुलिस ने अन्य वाहन चालकों की मदद से भाग रहे ट्रक का पीछा किया।

बैंक अधिकारी बन क्रेडिट कार्ड से 74720 की खरीदारी: मोबाइल अपडेट के बाद खाते से 39800 रुपए निकले

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर में ठगों ने दो अलग-अलग वारदातों में दो लोगों से 1 लाख 15 हजार 520 रुपए ठग लिए। थाटीपुर में ठग ने खुद को स्मॉल फाइनेंस बैंक का अधिकारी बताकर क्रेडिट कार्ड चालू कराने का झांसा दिया और कार्ड से 74,720 रुपए की ऑनलाइन खरीदारी कर ली। वहीं मुरार में मोबाइल अचानक अपडेट होने और करीब 35 से 40 मिनट बाद चालू होने के बाद पीड़ित के बैंक खाते से 39,800 रुपए ट्रांसफर हो गए। दोनों मामलों में पीड़ितों ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की थी। इसके बाद शुक्रवार रात संबंधित थानों में FIR दर्ज की गई। थाटीपुर के गौतम नगर निवासी हेमंत रोजिया ने पुलिस को बताया कि 7 अगस्त को उनके पास अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को स्मॉल फाइनेंस बैंक का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनका क्रेडिट कार्ड बंद पड़ा है। उसे चालू नहीं कराने पर पेनल्टी लगने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने वॉट्सऐप पर एक लिंक भेजा और क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरने को कहा। हेमंत ने लिंक पर ऑनलाइन फॉर्म में जानकारी भरकर सबमिट कर दी। आरोपी ने कार्ड बाद में चालू होने की बात कहकर फोन काट दिया। 19 अगस्त को बैंक स्टेटमेंट चेक करने पर हेमंत को ठगी का पता चला। 7 अगस्त को ही उनके क्रेडिट कार्ड से 29 हजार, 21 हजार, 9,885 और 14,835 रुपए की अलग-अलग ऑनलाइन खरीदारी की गई थी। कुल 74,720 रुपए की राशि ठगी गई। शिकायत के बाद शुक्रवार रात थाटीपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया।

मां ने डांटा...घर से भागा 13 साल का बच्चा: ग्वालियर स्टेशन पर RPF को मिल

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर में मां की डांट से नाराज होकर धौलपुर से भागा 13 साल का बच्चा शुक्रवार रात रेलवे स्टेशन पर मिला। मोबाइल चलाने से रोकने और पढ़ाई के लिए डांटने से नाराज बच्चा गुरुवार को घर से निकला था। RPF ने 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत उसे सुरक्षित बरामद कर चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंप दिया। काउंसिलिंग के बाद बच्चे को परिजनों के हवाले किया जाएगा। राजस्थान के धौलपुर जिले के बसेड़ी थाना क्षेत्र के गांव कुनकुटा का रहने वाला 13 वर्षीय बच्चा मोबाइल गेमिंग का आदी था। मां ने जब उसे मोबाइल चलाने से मना किया और पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा तो वह नाराज हो गया। गुरुवार 24 सितंबर की सुबह वह स्कूल जाने के बहाने घर से निकला। इसके बाद गुल्लक में जमा पैसे लेकर चुपचाप ट्रेन में बैठकर ग्वालियर आ गया। करीब 1:20 बजे ग्वालियर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर गश्त के दौरान उप निरीक्षक रविन्द्र सिंह राजावत और महिला प्रधान आरक्षक पिंकी तोमर की नजर अकेले बैठे बच्चे पर पड़ी। पुलिस ने उससे बातचीत की और पूछताछ की। बच्चे ने बताया कि वह मां की डांट से नाराज होकर घर से भागा है और गुरुवार से ही इधर-उधर भटक रहा है। टीम बच्चे को समझाकर अपने पोस्ट पर लेकर आई। इसके बाद धौलपुर के बसेड़ी थाना प्रभारी को सूचना दी गई, ताकि उसके परिजनों तक खबर पहुंचाई जा सके। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन को भी मामले की जानकारी दी गई।

भारतीय योग संस्थान मनाएगा अपना 60वां योग उत्सव: ग्वालियर में निकली भव्य जागरूकता रैली

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

भारतीय योग संस्थान मध्य प्रदेश प्रांत के जिला ग्वालियर दक्षिण के वैष्णवी नगर क्षेत्र में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का एक अनूठा संदेश देते हुए एक विशाल योग रैली का आयोजन किया गया। जिला प्रधान पवन गुप्ता और जिला मंत्री राजेश वर्मा के नेतृत्व में निकाली गई इस रैली में क्षेत्र के कई प्रमुख योग साधना केंद्रों के साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस भव्य आयोजन में वैष्णवी नगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुलमोहर सिटी, ग्रीन पार्क, सनवैली, साई सरोवर और गार्डन पैलेस योग साधना केंद्रों के दर्जनों साधक और पदाधिकारी उपस्थित रहे। रैली के दौरान क्षेत्रीय प्रधान प्रतिभा चौहान और क्षेत्रीय मंत्री विजय धाकड़ भी विशेष रूप से मौजूद रहे। रैली में गुलमोहर सिटी केंद्र की प्रमुख ममता दुबे, ग्रीन पार्क के प्रमुख आर.सी. अमलानी, सनवैली के प्रमुख शसुदीप नागर और साई सरोवर केंद्र के प्रमुख अशोक गुप्ता के मार्गदर्शन में साधकों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर भाग लिया। इस दौरान सभी साधकों ने एक स्वर में जोर-जोर से योग संबंधी नारे लगाते हुए पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया और स्थानीय नागरिकों को योग के प्रति जागरूक किया। रैली के समापन अवसर पर जिला प्रधान पवन गुप्ता ने सभी उपस्थित साधकों और नागरिकों को संबोधित किया।

नशे में कार से पहुंचे थे आरोपी, ऑफिस के कांच गेट-लैपटॉप सहित 3 बसों में की थी तोड़फोड़

ट्रैवल्स ऑफिस पर पथराव-तोड़फोड़ करने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर के झांसीरोड थाना क्षेत्र में चेतकपुरी पेट्रोल पंप के पास ट्रैवल्स बस सर्विस के ऑफिस पर पथराव और तोड़फोड़ करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 22 सितंबर की रात शराब के नशे में वारदात को अंजाम दिया था। बदमाशों ने ऑफिस के कांच के गेट, लैपटॉप और मोबाइल को नुकसान पहुंचाने के साथ बाहर खड़ी तीन स्लीपर बसों में भी तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार भी जब्त की है। पुलिस तीनों आरोपियों को घटना स्थल पर पैदल लेकर पहुंची और वारदात का सीन रीक्रिएट कराया। फरियादिया ममता चौरसिया, निवासी गली नंबर 5, नाका चंद्रवदनी ने झांसीरोड थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि चेतकपुरी पेट्रोल पंप के पास उनका 'विजय गजराज ट्रैवल्स बस सर्विस' का ऑफिस है। 22 सितंबर की रात करीब 9:40 बजे ऑफिस स्टाफ रोहित कुशवाह ने उन्हें फोन कर बताया कि कुछ अज्ञात बदमाशों ने ऑफिस के बाहर से पत्थर मारकर तोड़फोड़ की है। ममता जब ऑफिस पहुंचीं तो मुख्य कांच का गेट टूटा हुआ था। अंदर रखा लैपटॉप और कर्मचारी रोहित का मोबाइल भी क्षतिग्रस्त मिला। बाहर खड़ी तीन बसों में भी तोड़फोड़ की गई थी। ष्टष्टञ्जङ्क में कार से उतरकर पथराव करते दिखे घटना के बाद पुलिस ने ऑफिस और आसपास लगे कैमरों के फुटेज खंगाले। इसमें सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार ऑफिस के सामने रुकती दिखाई दी। कार से तीन युवक उतरे और ऑफिस पर पथराव करने लगे। स्स्क्कधर्मवीर सिंह के निर्देश पर सीएसपी विश्वविद्यालय रवि भदौरिया और झांसीरोड थाना प्रभारी शक्ति सिंह यादव की टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। कार के नंबर से मिला सुराग, तीनों पकड़े गए पुलिस ने आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के आधार पर संदिग्ध कार को चिन्हित किया। कार की जानकारी निकालने पर वह गुढ़ा-गुढ़ी का नाका निवासी कार्तिक तिवारी के नाम पर पंजीकृत मिली। पूछताछ में कार्तिक ने बताया कि घटना के समय उसकी कार साहिब खान उर्फ मोनू खान लेकर गया था। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर साहिब खान और उसके साथी विक्की राव व शारीक उर्फ चिंटू को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल कार भी जब्त कर ली है।

संपादकीय

वोट को लेकर जन-आंदोलन

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राष्ट्रीय जन-आंदोलन का माहौल बन गया है। कांग्रेस ने राज्यों की राजधानियों में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक भी 29 सितंबर को तय हुई है। शायद कोई बड़ा निर्णय सामने आएगा! राजनीतिक कॉकरोचों ने भी सीईसी का इस्तीफा मांगते हुए आंदोलन की धमकी दी है। विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने सीईसी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने और जेल में डालने की पुरजोर मांग की है। हालांकि दिसंबर, 2023 में चुनाव आयोग संबंधी कानून में संशोधन कर सीईसी, पूर्व सीईसी और चुनाव आयुक्तों को किसी भी तरह के केस और जेल भेजने की सजा से कानूनी छूट दी गई थी। उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। यह संशोधन संसद में पारित किया गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेता इस संसदीय संशोधन को जानते होंगे! फिर भी नेता प्रतिपक्ष ने सीईसी को गद्दार और देशद्रोही करार दिया है। उनके इस्तीफे और सरकारी गवाह बनने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष को यकीन है कि ऐसे अपराधी को सजा जरूर मिलनी चाहिए। विपक्ष का कथित इंडिया ब्लॉक संसद के दोनों सदनों में, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ, महाभियोग प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है।

इसी साल मार्च-अप्रैल में भी महाभियोग का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति ने खारिज कर दिया था। लेकिन आसार पुख्ता होते जा रहे हैं कि शहर, कस्बा, गांव और गली-गली के स्तर पर देश का आम नागरिक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का ही बहिष्कार कर दे! चूंकि उनके वोट काटे जा रहे हैं, लिहाजा संविधान में दिए मताधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। यदि संविधान का ही उल्लंघन होता रहा, तो लोकतंत्र किस काम का..? लोकतंत्र की बुनियाद ही आम मतदाता का वोट और जनादेश है। यदि वोट से संसद, विधानसभा, सरकारें नहीं चुनी जा सकतीं, तो वोट ही बेमानी किया जा रहा है। जन-आंदोलन इस मताधिकार को हासिल करने और एसआईआर की आड़ में चुनावी साजिश को पराजित करने को लेकर उग्र और देशव्यापी होगा। अब यह लोकतंत्र-समर्थक लामबंदी की ही अग्नि-परीक्षा है कि वे आम नागरिक को कितना समझा पाते हैं कि वोट चोरी के जरिए चुनाव जीते जा रहे हैं? राहुल गांधी और विपक्षी नेता अभी तक वोट चोरी के आरोप लगा रहे थे, लिहाजा उन्हें क्षुद्र राजनीति माना जा रहा था। अब चुनाव आयोग के ही दो संवैधानिक चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों और सवालों से लगभग पुष्टि हो रही है कि वोट चोरी ही नहीं, वोट देने का मौलिक अधिकार भी छीना जा रहा है। एक अभियान के तहत करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काट देना कोई सामान्य घटना नहीं है।

गोवा जैसे छोटे-से राज्य का उदाहरण सार्वजनिक हुआ है कि 97 मतदाताओं के नाम और ब्यौरे सही पाए गए, लेकिन राज्य का मुख्य चुनाव अधिकारी 8 बार ई-मेल कर और फोन पर ब्रीफ करने के बावजूद उन 97 नामों को मतदाता-सूची में जुड़वा नहीं सका। इसका स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया है। उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार छिन गए, वे वोट नहीं दे सकेंगे, ऐसे लोकतंत्र का क्या करेंगे हम? यह कैसी प्रशासनिक और संवैधानिक व्यवस्था है कि राज्य के सीईओ की भी आयोग के आईटी सिस्टम तक पहुंच नहीं है! यकीनन अब यह मुद्दा प्रधानमंत्री मोदी तक भी जाएगा। मुद्दा यह नहीं है कि सीईसी के पद पर ज्ञानेश का चयन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने किया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की असहमति को किनारे कर दिया गया। सरकारें ऐसे ही काम करती हैं और चयन प्रधानमंत्री के स्तर पर ही होता रहा है। इसमें साजिश क्या है? चूंकि अब चुनाव आयोग का भीतरी यथार्थ बेनकाब हुआ है, किसी ने भी उसका खंडन नहीं किया है, किसी ने भी सफाई नहीं दी है या अदालत में उसे चुनौती दी है, अंततः सीईसी ज्ञानेश को ही खलनायक माना जा रहा है। यदि देश भर में जन-आंदोलन फैलता है, तो प्रधानमंत्री कब तक सीईसी को बचा पाएंगे? यह भाजपा-कांग्रेस की राजनीतिक लड़ाई नहीं है, देश के आम नागरिक के मताधिकार का सवाल है और यह राष्ट्रीय सरोकार का मुद्दा बन सकता है।

मोबाइल की दीवानगी कहां लेकर जाएगी?

योगेंद्र योगी

> कई मामलों में असली वजह दोस्तों के बीच फोन को प्रदर्शित करना और खुद को उनसे पीछे न दिखाना होती है। भारत में मार्केट रिसर्च फर्म ह्याकाउंटरपॉइंट रिसर्चह्न की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बिकने वाले कम से कम 42 प्रतिशत आईफोन ईएमआई (किस्तों) पर खरीदे जाएंगे। देश के ज्यादातर परिवारों की आय सीमित है। ऐसे में 75000 रुपए या उससे महंगे फोन की किस्तें चुकाना कई परिवारों को कर्ज के दलदल में धकेल रहा है। भारत में 5 करोड़ से भी कम ऐसे परिवार हैं जिनकी मासिक आय 75000 रुपए है।

व्यापक संदर्भ में देखें, तो ऐसे मामलों में दोष केवल युवाओं का भी नहीं है। कुछ बच्चे माता-पिता पर दबाव बनाते हैं कि अगर उन्हें लेटेस्ट फोन नहीं मिला तो वे पढ़ाई नहीं करेंगे। बच्चे महंगा स्मार्टफोन यह कहकर मांगते हैं कि इससे पढ़ाई, प्रोजेक्ट और नई तकनीक सीखने में मदद मिलेगी। खासकर कम पढ़े-लिखे माता-पिता को बच्चे कई बार इन वजहों का हवाला देकर समझाने की कोशिश करते हैं। हालांकि कई मामलों में असली वजह दोस्तों के बीच फोन को प्रदर्शित करना और खुद को उनसे पीछे न दिखाना होती है। भारत में मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बिकने वाले कम से कम 42 प्रतिशत आईफोन ईएमआई (किस्तों) पर खरीदे जाएंगे। देश के ज्यादातर परिवारों की आय सीमित है। ऐसे में 75000 रुपए या उससे महंगे फोन की किस्तें चुकाना कई परिवारों को कर्ज में धकेल रहा है

युवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। देश का भविष्य बनने वाले युवा भविष्य की चिंता किए बगैर सिर्फ एक झूठी होड़ का शिकार हों तो देश का भला कैसे होगा? मौजूदा दौर में मोबाइल को लेकर जो मारामारी मची हुई है, उसे देख कर लगता है कि जैसे देश के युवाओं के सामने कोई चुनौती नहीं बची है। युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य पर मोबाइल के नए से नए ब्रांडों का आकर्षण उन्हें दलदल की तरफ धकेल रहा है। महंगे मोबाइल ब्रांडों के जुनून से तो यही लगता है कि इस देश में बेरोजगारी और युवाओं से जुड़ी कोई समस्या बची ही नहीं है। नए से नए मोबाइल ब्रांड को पाने के लिए देश के युवा मारामारी करते रहे हैं। ऐसा लगता है कि जैसे वे इतने जरूरी काम में जुटे हुए हैं कि यदि यह नहीं हुआ तो उनका भविष्य खराब हो जाएगा। एक अमरीकी कंपनी के नए ब्रांड को लेकर युवा रातभर लाइन में खड़े रहे और अपने नंबर का इंतजार करते रहे। दिल्ली से मुंबई तक देश के कई शहरों में इस कंपनी के स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग सुबह स्टोर खुलने की इंतजार में रात भर कतार में लगे रहे। वह भी एक ऐसे मोबाइल के लिए जिसकी कीमत भी डेढ़ से सवा तीन लाख रुपए तक की है। इनमें चंद ही ऐसे युवा होंगे जो इतने महंगे फोन से कुछ कमाई करेंगे, बाकी सभी तो सिर्फ जुनून के शिकार हैं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि लोग महंगा फोन खरीदने के लिए इतनी मेहनत क्यों कर रहे हैं?

बड़ा सवाल यह है कि कुछ लोगों को नया फोन, नई कार, नया गैजेट या कोई भी लेटेस्ट प्रोडक्ट सबसे पहले खरीदने की इतनी जल्दी क्यों होती है। साइकोलॉजी में इसे नयापन अर्थात अनोखा या अलग अनुभव करने की इच्छा कहते हैं। इसे आकर्षण से जोडकर देखा जाता है। इनसान को नई और अलग चीजें स्वाभाविक तौर पर दिलचस्प लगती हैं। नए प्रोडक्ट के साथ नई तकनीक, नया डिजाइन और नई पहचान जुड़ी होती है। नवीनतम फोन खरीदने की इस होड़ के पीछे फोमो यानी दूसरों से पीछे छूट जाने का डर भी हो सकता है। लोगों को लगने लगता है कि बाकी सभी लोग आगे बढ़ रहे हैं और अगर उन्होंने यह फोन नहीं लिया तो वे पीछे रह जाएंगे। यही कारण है कि कुछ लोग नया फोन आने का महीनों इंतजार करते हैं और लॉन्च होते ही उसे खरीदने के लिए घंटों लाइन में लग जाते हैं। कुछ लोग हर चीज सबसे पहले क्यों लेना चाहते हैं? हर व्यक्ति नई चीज के पीछे एक ही वजह से नहीं भागता। किसी को नई तकनीक पसंद होती है, किसी को नई चीज इस्तेमाल करने का अनुभव अच्छा लगता है, जबकि कुछ लोगों के लिए सबसे पहले नया प्रोडक्ट खरीदना उनकी पहचान और सोशल स्टेटस से जुड़ जाता है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर नया फोन दिखाकर रील बनाने और उसे प्रदर्शित करने की चाहत भी इसके आकर्षण को बढ़ा सकती है। कई युवा लेटेस्ट फोन खरीदने के लिए ईएमआई का सहारा लेते हैं। उन्हें लगता है कि अभी फोन ले लेते हैं और पैसे धीरे-धीरे चुका देंगे। सोशल मीडिया ने इस सामाजिक दबाव को और बढ़ाया है। इसका असर सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं में भी लेटेस्ट प्रोडक्ट को लेकर ऐसा क्रेज देखने को मिलता है। कई मामलों में माता-पिता बच्चों की इस जिद से परेशान होकर काउंसिलिंग के लिए पहुंचते हैं। मोबाइल फोन की चाहत को लेकर देश में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक युवक ईएमआई पर खरीदे गए एप्पल आईफोन की मासिक किस्त के पैसों को लेकर हुए झगड़े के बाद तिसगांव की एक पहाड़ी पर चढकर कूदने की धमकी दे रहा था। वह नीचे गिर पड़ा। उसे बचाने और नीचे उतारने की कोशिश में उसके पिता भी संतुलन बिगड? से उसके साथ 250 फुट गहरी खाई में गिर गए और आंखों के सामने पूरे परिवार को उजड़ता देख सदमे में आई मां ने भी चट्टान से छलांग लगा दी। मोबाइल ने तीनों की जान ले ली। इसी तरह उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 4 फरवरी 2026 को तीन सगी नाबालिग बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। माता-पिता द्वारा ऑनलाइन गेमिंग और अत्यधिक मोबाइल इस्तेमाल पर रोक लगाने व फोन छीन लिए जाने के बाद उन्होंने यह खौफनाक कदम उठाया। अगस्त 2026 को यूपी के फरूर्खाबाद में 25 वर्षीय युवती ने पिता द्वारा उसका मोबाइल फोन छीनने पर आत्महत्या कर ली। हिमाचल प्रदेश में मार्च 2025 में मंडी में एक बेटी ने पढ़ाई या परीक्षा के दौरान पिता द्वारा मोबाइल फोन छीन लिए जाने से आहत होकर आधी रात को विक्टोरिया पुल से ब्यास नदी में छलांग लगाकर अपनी जान दे दी थी। आगरा में एक पिता के मोबाइल तोड? पर 17 वर्षीय बेटी ने फांसी लगा ली थी। दिसंबर 2023 में नागपुर में एक 16 वर्षीय किशोरी ने फोन का इस्तेमाल रोकने पर आत्महत्या कर ली। दरअसल, ऐसी घटनाओं के पीछे उपभोक्तावाद, दिखावे की संस्कृति, साथियों के दबाव, डिजिटल दुनिया में निर्मित कृत्रिम जीवन शैली और तत्काल अपनी इच्छा पूरी कर लेने की बढ़ती प्रवृत्ति जैसे कई पहलू हो सकते हैं। व्यापक संदर्भ में देखें, तो ऐसे मामलों में दोष केवल युवाओं का भी नहीं है। कुछ बच्चे माता-पिता पर दबाव बनाते हैं कि अगर उन्हें लेटेस्ट फोन नहीं मिला तो वे पढ़ाई नहीं करेंगे। बच्चे महंगा स्मार्टफोन यह कहकर मांगते हैं कि इससे पढ़ाई, प्रोजेक्ट और नई तकनीक सीखने में मदद मिलेगी।

प्लास्टिक : वरदान से चुनौती तक

अरविंद गुलेरिया

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान और उसके बाद प्लास्टिक का औद्योगिक उत्पादन तेजी से बढ़ा। हल्का, मजबूत, सस्ता और टिकाऊ होने के कारण प्लास्टिक ने धातु, कांच और कागज जैसी कई पारंपरिक सामग्रियों का स्थान लेना शुरू कर दिया। प्लास्टिक ने चिकित्सा उपकरणों, खाद्य पैकेजिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि और परिवहन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और मानव जीवन को अनेक सुविधाएं प्रदान कीं। लेकिन इसकी टिकाऊ प्रकृति और अत्यधिक उपयोग ने धीरे-धीरे इसे एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती में बदल दिया। आज प्लास्टिक संकट का सबसे बड़ा कारण अनियंत्रित उत्पादन, अत्यधिक खपत और विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक का बढ़ता इस्तेमाल है।

प्लास्टिक का इतिहास मानव की वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रगति का महत्वपूर्ण अध्याय है, लेकिन इसका अनियंत्रित उपयोग आज पर्यावरणीय चुनौती बन गया है। इसलिए आवश्यकता प्लास्टिक के पूर्ण निषेध से अधिक जिम्मेदार प्लास्टिक उपयोग और वैज्ञानिक प्लास्टिक प्रबंधन की है। भविष्य की रणनीति ऐसी होनी चाहिए जिसमें अनावश्यक प्लास्टिक का उपयोग कम हो, आवश्यक प्लास्टिक का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण हो तथा कचरे को संसाधन में बदलने वाली चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले

प्लास्टिक आधुनिक सभ्यता की सबसे उपयोगी और व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों में से एक है। इसकी हल्की, मजबूत, टिकाऊ, जलरोधी और कम लागत वाली प्रकृति ने इसे दैनिक जीवन के साथ-साथ चिकित्सा, कृषि, निर्माण, परिवहन और उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। प्लास्टिक का विकास 19वीं शताब्दी में प्राकृतिक पदार्थों के ऐसे विकल्पों की खोज के साथ शुरू हुआ जिन्हें अधिक टिकाऊ और आसानी से आकार दिया जा सके। 1860 के दशक में अलेक्जेंडर पार्क्स ने पार्केसिन नामक सामग्री विकसित की, जिसे शुरूआती कृत्रिम प्लास्टिकों में माना जाता है। वर्ष 1907 में रसायनशास्त्री लियो हेंड्रिक बैकेलैंड ने बेकलाइट विकसित किया, जिसे व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले शुरूआती पूर्णतः कृत्रिम प्लास्टिकों में माना जाता है। इसके बाद हरमन स्टॉडिंगर के बहुलक रसायन विज्ञान संबंधी कार्यों ने प्लास्टिक की संरचना और प्रकृति को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 20वीं शताब्दी में पॉलिथीन, पीवीसी, पॉलीस्टाइरीन, नायलॉन, पॉलीप्रोपाइलीन और पीईटी जैसे विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक विकसित हुए।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान और उसके बाद प्लास्टिक का औद्योगिक उत्पादन तेजी से बढ़ा। हल्का, मजबूत, सस्ता और टिकाऊ होने के कारण प्लास्टिक ने धातु, कांच और कागज जैसी कई पारंपरिक सामग्रियों का स्थान लेना शुरू कर दिया। प्लास्टिक ने चिकित्सा उपकरणों, खाद्य पैकेजिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि और परिवहन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और मानव जीवन को अनेक सुविधाएं प्रदान कीं। लेकिन इसकी टिकाऊ प्रकृति और अत्यधिक उपयोग ने धीरे-धीरे इसे एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती में बदल दिया। आज प्लास्टिक संकट का सबसे बड़ा कारण अनियंत्रित उत्पादन, अत्यधिक खपत और विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक का बढ़ता इस्तेमाल है। पैकेजिंग सामग्री, बोतलें, रैपर, कैरी बैग और अन्य डिस्पोजेबल वस्तुएं बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा पैदा करती हैं। जब इस कचरे का स्रोत पर उचित पृथक्करण, संग्रहण और वैज्ञानिक तरीके से निपटान नहीं होता, तो यह भूमि, जल स्रोतों और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर सकता है। प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की एक प्रमुख चुनौती यह भी है कि सभी प्रकार के प्लास्टिक को समान रूप से पुनर्चक्रित नहीं किया जा सकता। मल्टी-लेयर पैकेजिंग, गंदा प्लास्टिक और मिश्रित प्लास्टिक का पुनर्चक्रण अपेक्षाकृत कठिन होता है। प्लास्टिक के छोटे-छोटे कणों में टूटने से माइक्रोप्लास्टिक की समस्या भी सामने आई है।

ये सूक्ष्म कण जल, मिट्टी और विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में पाए जा रहे हैं तथा इनके संभावित पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर वैज्ञानिक अध्ययन जारी हैं। नदियों और नालों के माध्यम से प्लास्टिक समुद्र तक पहुंच सकता है जिससे जलीय जीवों और पारिस्थितिक तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। दूसरी ओर, प्लास्टिक को खुले में जलाना भी उचित समाधान नहीं है, क्योंकि इससे वायु प्रदूषण और हानिकारक पदार्थों का उत्सर्जन हो सकता है। इसके अतिरिक्त प्लास्टिक का उत्पादन मुख्यतः जीवाश्म ईंधन आधारित रसायनों से जुड़ा होने के कारण इसके पूरे जीवन-चक्र में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन भी हो सकता है। प्लास्टिक की वर्तमान चुनौती का समाधान केवल प्रतिबंध लगाने से नहीं, बल्कि पूरे प्लास्टिक जीवन-चक्र के बेहतर प्रबंधन से संभव है। इसके लिए अनावश्यक प्लास्टिक के उपयोग को कम करना, पुनः उपयोग को बढ़ावा देना, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण करना और वैज्ञानिक पुनर्चक्रण व्यवस्था को मजबूत करना आवश्यक है। विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्रों, पुनर्चक्रण उद्योग और स्थानीय निकायों की क्षमता को मजबूत करना भी जरूरी है। जहां पुनर्चक्रण संभव नहीं हो, वहां पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप उपयुक्त उपचार और ऊर्जा पुनर्प्राप्ति तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए विकेंद्रीकृत व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ग्राम पंचायत स्तर पर घरों से सूखे कचरे का पृथक्करण, नियमित संग्रहण, सुरक्षित भंडारण और सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्र तक परिवहन की व्यवस्था विकसित की जा सकती है। पंचायतें स्वयं सहायता समूहों, कचरा संग्रहणकताओं और स्थानीय उद्यमियों को जोडकर प्लास्टिक को संसाधन में बदलने की दिशा में कार्य कर सकती हैं।

इससे स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। अंततः, प्लास्टिक का इतिहास मानव की वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रगति का महत्वपूर्ण अध्याय है, लेकिन इसका अनियंत्रित उपयोग आज पर्यावरणीय चुनौती बन गया है। इसलिए आवश्यकता प्लास्टिक के पूर्ण निषेध से अधिक जिम्मेदार प्लास्टिक उपयोग और वैज्ञानिक प्लास्टिक प्रबंधन की है।

भविष्य की रणनीति ऐसी होनी चाहिए जिसमें अनावश्यक प्लास्टिक का उपयोग कम हो, आवश्यक प्लास्टिक का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण हो तथा कचरे को संसाधन में बदलने वाली चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले। सही दृष्टिकोण यही है कि प्लास्टिक को केवल कचरे के रूप में न देखा जाए, बल्कि उसके जीवन-चक्र का वैज्ञानिक प्रबंधन करते हुए अधिकतम सामग्री की पुनर्प्राप्ति और पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बेहतर प्रबंधन से प्लास्टिक को नियंत्रित करना होगा।

बच्चों के विचारों में परिलक्षित हो रहा है भावी भारत का उज्ज्वल स्वरूपः मंत्री सारंग

बच्चों के रंगों में सिमटी विकसित एवं स्वर्णिम भारत की परिकल्पना

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित हिंदी भवन में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भोपाल जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों से चयनित प्रतिभावान विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत की संकल्पना' तथा 'मेरे सपनों का भारत' जैसे विषयों पर अपनी संवेदनशील अभिव्यक्ति को रंगों एवं कैनवास के माध्यम से अत्यंत जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों की ऐतिहासिक एवं अनुकरणीय सहभागिता 'सेवा संकल्प अभियान' की मूल भावना को साकार करते हुए भोपाल जिले में इस प्रतियोगिता ने एक जन-आंदोलन का रूप धारण किया। जिला शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में संचालित इस वृहद आयोजन में जिले के सभी 40 संकुलों के अंतर्गत आने वाले 2,585 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं ऊर्जा के साथ सहभागिता दर्ज कराई। बाल-मन के विचार राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींवः मंत्री श्री सारंग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलास सारंग ने विद्यार्थियों द्वारा निर्मित कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनकी सर्जनात्मक सोच की सराहना की।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि 'यह आयोजन केवल एक चित्रकला प्रतियोगिता नहीं है, अपितु यह नई पीढ़ी के

हृदय में पल्लवित हो रहे 'सपनों के भारत' की सुदृढ़ नींव को समझने और उसे अभिव्यक्ति प्रदान करने का एक पवित्र मंच है। बच्चों के चित्रों में दिखाई देने वाला भारत उनके विचारों, दृढ़ संकल्पों और आने वाले स्वर्णिम राष्ट्र की भव्य कल्पना को दर्शाता है।' उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा के बल पर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। रिशिता पांडे को प्रथम, यशवर्धन दुबे को द्वितीय एवं खुशबू शाह को तृतीय स्थान प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा कलाकृतियों की मौलिकता, विषयगत गहराई और रचनात्मकता के आधार पर निष्पक्ष मूल्यांकन किया गया। प्रथम पुरस्कारः सुश्री रिशिता पांडे (संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मिसरोद)। द्वितीय पुरस्कारः श्री यशवर्धन दुबे (संकुल शासकीय उ.मा.वि. राजाभोज)। तृतीय पुरस्कारः सुश्री खुशबू शाह (संकुल शासकीय उ.मा.वि. हबीबगंज) उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सुश्री सुधा गुप्ता (संकुल शासकीय कन्या उ.मा.वि. स्टेशन एरिया) एवं सुश्री गरिमा राजपूत (शासकीय उ.मा.वि. बगरोदा) को सांत्वना पुरस्कार से अलंकृत किया गया। अतिथियों द्वारा सभी विजेता एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कलाकृतियों में उभरी स्वच्छ, समृद्ध व आत्मनिर्भर भारत की मनमोहक तस्वीर हिंदी भवन में आयोजित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की तूलिका (ब्रश) से उकेरे गए चित्रों में स्वच्छ, शिक्षित, आत्मनिर्भर, पर्यावरण- संरक्षित और तकनीक-समृद्ध भारत के विविध आयाम देखने को मिले। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक क्षमता प्रदर्शित करने के साथ-साथ देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपने दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुँचाने का अद्वितीय अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में विधायक श्री भगवानदास सबनानी, श्री रविंद्र यती, महापौर श्रीमती मालती राय, श्री तीरथ सिंह मीणा, श्री मनोज राठौर, श्री राकेश कुकरेजा,श्री प्रवीण खेमचंदानी, श्री प्रवीण अतुलकर एवं श्री राजा तंवर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक प्रबंधन में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभिनव आर्य, नोडल अधिकारी डॉ. भावना शर्मा, जिला सांख्यिकी अधिकारी श्री विकास मिश्रा, श्री अरुण विजयवर्गीय, श्रीमती निर्मला रेकवार, डॉ. नूतन सक्सेना एवं एडीपीसी श्री विनोद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद, शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल है मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट की कोर थीम

भोपाल मास्टर प्लान-2047 का ड्राफ्ट जारी, सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया विकास का नया खाका

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री गणेश अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर एक लंबे अंतराल के बाद भोपाल विकास योजना-2047 (मास्टर प्लान) के प्रारूप (ड्रॉफ्ट) का प्रकाशन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि कैपिटल सिटी की यह विकास योजना (मास्टर प्लान) भोपाल की प्राकृतिक धरोहर भोजताल, वन क्षेत्रों एवं बाघ भ्रमण क्षेत्र के संरक्षण के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, सुगम मोबिलिटी और आर्थिक विकास के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से तैयार की गई है। इस विकास योजना में हरित टीडीआर का बेहतर प्रावधान किया गया है, इससे हरित क्षेत्र में आने वाली भूमि के स्वामियों की क्षतिपूर्ति के साथ विकासकर्ताओं को टीडीआर के जरिए अतिरिक्त विकास की सुविधा भी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध, सुगम, सुरक्षित और विकसित भोपाल के संकल्प की दिशा में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भोपाल विकास योजना के प्रकाशित प्रारूप पर नागरिकगण अपनी आपत्ति एवं सुझाव दे सकते हैं। भोपाल मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट के हैं चार प्रमुख स्तंभ प्रकाशित भोपाल मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट सतत् विकास, समावेशी शहर और समृद्ध भविष्य की संकल्पना से अभिप्रेरित है। इसकी कोर थीम हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल रखी गई है। इस मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट के चार प्रमुख आधार स्तंभ रखे गए हैं। इसमें पहला प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्र के संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। इसके बाद दूसरा आधुनिक

दृष्टिकोण एवं नागरिक हितैषी नियोजन पर बल दिया गया है। तीसरा सुधारोन्मुख एवं परिवर्तनकारी नियोजन को भी केन्द्रीय लक्ष्य (कोर टारगेट) में रखा गया है। चौथा इस मास्टर प्लान को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले सतत् विकास की अवधारणा पर केन्द्रित किया गया है। भोपाल मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट की प्रमुख विशेषताएं प्राकृतिक संवेदनशीलता सम्मत नियोजन इस मास्टर प्लान की प्रमुख विशेषता है। आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन सम्बन्धी प्रस्ताव। महानगरीय अवधारणा के अनुरूप प्रस्ताव। ग्रोथ कॉरिडोर के माध्यम से शहर का आर्थिक विकास। राज्य की टीओडी नीति के अनुरूप मिश्रित भूमि उपयोग का प्रस्ताव। असीमित एफएआर एवं भवन ऊंचाई। विकास मापदंडों का सरलीकरण एवं युक्तियुक्तकरण। मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में शहर के हरित क्षेत्र को 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया है। विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए पूंजी संग्रहण की समुचित व्यवस्था। क्रिएटिव री-डेवलपमेंट के माध्यम से पुनर्विकास । अफोर्डेबल हाउसिंग को प्रोत्साहन दिया गया है। हरित टीडीआर के प्रावधान भी किए गए हैं। मास्टर प्लान के क्रियान्वयन का प्रभावी पर्यवेक्षण भी सुनिश्चित किया गया है। मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में सुरक्षित शहर (सेफ सिटी) के सभी प्रावधान भी किए गए हैं। पार्किंग प्रोत्साहन संबंधी प्रावधान भी किए गए हैं। निजी विकासकर्ताओं द्वारा विकास योजना की मांगों का क्रियान्वयन भी तय किया गया है। मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट में भोपाल को इकाई सिटी के रूप में डेवलप करने के लिए भी समुचित प्रस्ताव/प्रविधान किए गए हैं।

नर्सिंग परीक्षा परिणाम के लिए विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल का जताया आभार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

नर्सिंग विद्यार्थियों के लंबे समय से लंबित परीक्षा परिणाम घोषित होने से प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है। परिणाम जारी होने के बाद विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई, प्रवेश और करियर से जुड़ी बाधाएं दूर हुई हैं। विद्यार्थियों एवं प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने रीवा में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नर्सिंग विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित होने पर सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए न्यायालय के समक्ष छात्र हित का पक्ष मजबूती से रखा और न्यायालय के आदेश के परिपालन में परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। सरकार विद्यार्थियों के हितों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी हर आवश्यक कदम उठाती रहेगी। नर्सिंग विद्यार्थियों ने कहा कि परीक्षा परिणाम लंबित होने के कारण उन्हें आगे की पढ़ाई, उच्च कक्षाओं में प्रवेश तथा करियर संबंधी योजनाओं को लेकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। परीक्षा परिणाम घोषित होने से विद्यार्थियों को राहत मिली है और उनकी आगे की शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ है। विनय शुक्ला, डॉ. सुमन सिंह परिहार, डॉ. जी.एल. पटेल सहित अन्य संचालकों के नेतृत्व में नर्सिंग विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से भेंट की।

नर्मदापुरम में बिजलीकर्मी के साथ मारपीट एवं दुर्व्यवहार करने वाले आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल/नर्मदापुरम**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नर्मदापुरम वृत के अन्तर्गत नर्मदापुरम टाउन जोन-2 के सदर बाजार में राजस्व वसूली एवं शासकीय कार्य के दौरान ड्यूटी पर तैनात बिजलीकर्मी से दुर्व्यवहार व मारपीट करने वाले आरोपित के खिलाफ थाना कोतवाली जिला नर्मदापुरम में एफआईआर दर्ज कराई गई है। महाप्रबंधक नर्मदापुरम वृत्त श्री विनीत बागड़े ने बताया कि कनिष्ठ यंत्री श्री उमाकांत यादव एवं कंपनी की टीम द्वारा शनिवार को नर्मदापुरम टाउन जोन-2 अंतर्गत गुप्ता नर्सिंग होम के पीछे, सदर बाजार स्थित श्री दीपक मनसोरिया के परिसर में अवैध रूप से विद्युत का उपयोग किये जाने के विरूद्ध विजिलेंस दल द्वारा अधिरोपित राशि रूपये 54 हजार की राजस्व वसूली एवं अवैध रूप से जोड़ी गई लाइन को विद्युत पोल से विच्छेदित करने की कार्यवाही की जा रही थी। इसी दौरान देव परते पिता श्री रामदास परते द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए ड्यूटी पर तैनात कनिष्ठ यंत्री श्री उमाकांत यादव के साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट, जान से मारने की धमकी तथा शासकीय कार्य में बाधा डाली गई। इस संबंध में कंपनी द्वारा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आरोपी देव परते पिता श्री रामदास परते

के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 132, 296(ङ), 115(2), 351(3) एवं 324(4) के तहत थाना कोतवाली नर्मदापुरम में एफआईआर दर्ज कराई गई है। थाना कोतवाली नर्मदापुरम ने प्रकरण पर संज्ञान लेकर विवेचना शुरू कर दी है। बिजली कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरन्त एफ.आई. आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्रायः देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार किया जा रहा है।

संत निरंकारी सत्संग भवन में मानवता का महापर्व - विशाल रक्तदान शिविर सम्पन्न, 518 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

■ एक सत बुलेटिन, **बैरागढ़**

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन के तहत जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा एवं संयोजक महेश वीधानी के मार्गदर्शन में शनिवार को प्रातः 9 बजे से 5:00 बजे तक मानवता का महापर्व - विशाल रक्तदान शिविर संत निरंकारी सत्संग भवन, स्काईलैंड गार्डन के पास, संत हिरदाराम नगर में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ। आज हुए रक्तदान शिविर में 518 यूनिट रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पीड़ित मानवता की सेवा की है। आज सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें लगी हुई थी । मिशन के भक्तों के लिए रक्तदान पहले से ही जनकल्याण की सेवा भाव में एक

अभिन्न अंग रहा है। युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के कथन अनुसार रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहे। इस संदेश को मिशन के अनुयाइयों ने निश्चित रुप से चरितार्थ किया है, जिसे वर्तमान में माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार निरंतर आगे बढाया जा रहा हैं। इस दौरान निरंकारी मिशन के क्षेत्रीय संचालक अखिलेश यादव, विधायक श्री भगवानदास सभनानी, शहर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, पत्रकार बंधु एवं रक्तदाता आदि विशेष रुप से उपस्थित थे। रक्तदान शिविर की सुंदर व्यवस्था संचालक अशोक नाथानी, संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कृपलानी, शिक्षिका सुषमा ग्वालानी, सहायक शिक्षक विजय नाथानी सहित सेवा दल के भाई - बहनों द्वारा की गई ।

राजभाषा पखवाड़ा समापन पर पुरस्कार वितरण किया गया एवं हास्य कवि सम्मेलन ने बांधा समां

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में डीआरएम द्वारा 10 अधिकारी एवं 75 रेलकर्मी हुए सम्मानित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भोपाल में राजभाषा विभाग द्वारा 14 से 26 सितम्बर 2026 तक आयोजित राजभाषा पखवाड़ा 2026 का समापन समारोह 26 सितम्बर 2026 को हबीबगंज स्थित नर्मदा रेलवे क्लब ऑडिटोरियम में मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मुख्य आतिथ्य में उल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत विविध संस्कृतियों और भाषाओं वाला देश है तथा हिंदी इसमें प्रमुख भाषा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय रेल और हिंदी दोनों ही देश को एक सूत्र में जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक बहुभाषी देश है और देश की सभी भाषाएं एवं बोलियां हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन्हें प्रोत्साहित करना प्रत्येक भारतीय का दायित्व है। उन्होंने हिंदी में मौलिक लेखन को सहज एवं स्वाभाविक बताते हुए अपनी भाषा के प्रति लगाव को राष्ट्र प्रेम का एक रूप बताया। मंडल रेल प्रबंधक ने वर्तमान तकनीकी युग में हिंदी की बढ़ती उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर, इंटरनेट, रेलनेट, यात्री आरक्षण प्रणाली, ई-टिकट, मोबाइल टिकट बुकिंग, रेलवे

वेबसाइट एवं सोशल मीडिया जैसे डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हिंदी का महत्व केवल राजभाषा के रूप में ही नहीं, बल्कि जनभाषा के रूप में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे श्री दिलीप कुमार सिंह की ओर से हिंदी दिवस के अवसर पर जारी संदेश का वाचन अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/प्रशासन श्री अभिराम खरे द्वारा किया गया। समारोह का प्रमुख आकर्षण हास्य कवि सम्मेलन रहा। ोपाल के प्रसिद्ध कवि श्री दीपक शुक्ला 'दानादन', गीतकार श्री अर्जुन सिंह चांद (झांसी), श्रीमती प्रियंका मिश्रा (जबलपुर) तथा श्री कुलदीप ठाकुर 'रंगीला' ने अपनी हास्य, व्यंग्य एवं मधुर रचनाओं से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भरपूर मनोरंजन किया। कवियों की चुटीली प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई और कार्यक्रम का वातावरण हास्य एवं उल्लास से सराबोर रहा। उत्कृष्ट कार्य एवं प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार समारोह के दौरान वर्षभर हिंदी में उल्लेखनीय कार्य करने वाले मंडल के 10 अधिकारियों एवं 40 कर्मचारियों तथा राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल 35 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी द्वारा राजभाषा पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में समस्त शाखा प्रमुख, यूनियन पदाधिकारी सहित मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी श्री शिवरमण शुक्ला ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा अधिकारी श्री वृजेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। राजभाषा पखवाड़े के माध्यम से हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग, मौलिक लेखन तथा राजकीय कार्यों में हिंदी के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

जीत के साथ

आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

इचिनोमिया सिटी । एशियन गेम्स 2026 में आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन सिंगल्स मुकाबलों के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग अंदाज में जीत हासिल की और भारत की सिंगल्स स्पर्धा में मेडल की उम्मीदों को बरकरार रखा। आयुष को जहां कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से हराने में सिर्फ 21 मिनट लगे, वहीं उन्नति को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से कड़ी टक्कर मिली और उन्हें 79 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। आयुष के लिए दूसरे दौर का मुकाबला आसान रहा।

दुनिया के 20वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और ताजीबुल्लायेव को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष की सीधे गेम में जीत ने यह भी सुनिश्चित किया कि दिन में बाद में होने वाले अगले मुकाबले के लिए उनकी ऊर्जा बची रहे। आयुष शेट्टी के सामने अब कड़ी चुनौती होगी। राउंड ऑफ 16 में जगह बनाने के बाद वह शाम को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक तीन मुकाबले हुए हैं, जिनमें आयुष एक जीत और दो हार के साथ 1-2 से पीछे हैं। वहीं, उन्नति को कहीं ज्यादा मुश्किल मुकाबले का सामना करना पड़ा।

पीवी सिंधु ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह, चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराया

इचिनोमिया । भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शनिवार को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। एशियन गेम्स में दो बार मेडल जीत चुकीं सिंधु ने पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद पिन-चियन को आसानी से हरा दिया। पहले गेम में ब्रेक के समय वह 10-11 से पीछे थीं,

लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बनाई। पहले गेम में उनके दो गेम प्वाइंट हाथ से निकल गए, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने तीसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद ओलंपिक में दो मेडल जीत चुकीं सिंधु दूसरे गेम में बेहतर लय में दिखीं। उन्होंने दूसरे गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली और अपनी लय को बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-14 से जीत लिया। सिंधु अब राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजाकी का सामना करेंगी, जो शनिवार को ही खेला जाएगा। मौजूदा गेम्स में इससे पहले भारतीय टीम को महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा था। इस टीम में सिंधु भी शामिल थीं।

अनाहत सिंह ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बनीं

नागोया । भारत की अनाहत सिंह ने जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-2 (9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही अनाहत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं। 18 साल की भारतीय खिलाड़ी को शुरुआती दो गेम 9-11 और 11-13 से हारने के बाद कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने गेम प्वाइंट्स बचाकर और 8-10 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरा गेम 12-10 से जीतकर खुद को मुकाबले में बनाए रखा। इसके बाद अनाहत ने चौथे गेम में शानदार वापसी की। 8-6 से पिछड़ने के बाद, उन्होंने लगातार पांच प्वाइंट जीतकर गेम 11-6 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल को 2-2 की बराबरी पर लाकर निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। भारतीय खिलाड़ी ने पांचवें और आखिरी गेम में दबदबा बनाया और इसे 11-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अनाहत की जीत से उनका मेडल पक्का हो गया है। यह युवा खिलाड़ी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में अपना पहला सिंगल्स मेडल (गोल्ड या सिल्वर) जीतेगी। वातानाबे के तीसरे गेम हारने के बाद, मैच का रुख पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में हो गया। उन्होंने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और बेहतरीन रैकेट कौशल दिखाते हुए आखिरी दो गेम में अपनी जापानी प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया।

अनाहत की जीत फाइनल के लिहाज से भी बहुत अहम है, क्योंकि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर लॉस एंजिल्स ओलंपिक में सीधे एंट्री मिलती है। अनाहत सिंह पिछली बार एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली महिला और मिक्स्ड टीम का भी हिस्सा थीं। यह युवा खिलाड़ी अब महिला सिंगल्स फाइनल के लिए कोर्ट पर उतरेगी।

अनाहत के बाद...

अभय सिंह ने भी बनाई फाइनल में जगह

भारत के अभय सिंह ने शनिवार को पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को 3-0 (11-3, 12-10, 11-6) से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, अनाहत महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहले ही पहुंच चुकी हैं। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं। दोनों ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करने के करीब हैं। दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह, सौरव घोषाल के बाद एशियन गेम्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। सौरव घोषाल ने 2014 और 2023 में सिल्वर मेडल जीता था। अभय ने इरफान के खिलाफ पहला गेम 11-3 से जीतकर शानदार शुरुआत की। इरफान ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में भारत के वीर छोटरानी को हराया था। दूसरे गेम में पाकिस्तानी खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी और स्कोर 10-10 तक पहुंच गया, लेकिन अभय ने संयम बनाए रखा और 12-10 से गेम जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरा गेम भी पहले गेम जैसा ही रहा। अभय ने खेल पर पकड़ बनाई और चार मैच प्वाइंट हासिल किए। उन्होंने पहले ही मैच प्वाइंट को भुनाते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज की और गोल्ड-मेडल मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

पुरुष मैराथन में 44 साल बाद देश को दिलाया पदक

सावन बरवाल ने जीता सिल्वर मेडल

नागोया। भारत के सावन बरवाल ने एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष मैराथन में सिल्वर मेडल जीता। बरवाल के सिल्वर ने इवेंट में देश के मेडल जीतने का 44 साल का इंतजार समाप्त किया। भारतीय नेशनल रिकॉर्ड-होल्डर बरवाल नागोया में एक कड़े मुकाबले वाली रेस में मेडल की दौड़ में बने रहे और फिर 42.195 किलोमीटर के इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उनका सिल्वर मेडल 1982 के एडिशन के बाद भारत का पहला एशियन गेम्स मैराथन मेडल है और विदेशी धरती पर किसी भारतीय पुरुष का पहला मेडल है। मैराथन सुबह 4 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू हुई, जिसमें बरवाल और साथी भारतीय धावक कार्तिक करकेरा सहित 19 प्रतिभागी शामिल थे। बरवाल शुरुआती स्टेज में लीडिंग ग्रुप में मजबूती से बने रहे, फिर जैसे-जैसे रेस आगे बढ़ी, उन्होंने सबसे आगे अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। आधे रास्ते तक, बरवाल पहले ही दूसरे स्थान पर थे। इसके बाद, जब रेस आगे बढ़ने लगी, तो वह मेडल की दौड़ में बने रहे और 35 किलोमीटर के निशान पर 1:49:29 की रिपोर्टेड टाइमिंग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रेस के लगभग सात किलोमीटर बाकी रहने पर बरवाल जापान के इचिताका यामाशिता का पीछा कर रहे थे। जापानी धावक ने एक बड़ा गैप बना लिया, लेकिन बरवाल ने आखिरी स्टेज तक अपनी जगह बनाए रखी और सिल्वर मेडल की दौड़ में बने रहे। बरवाल की इस कामयाबी से भारत के ऐतिहासिक एशियन गेम्स मैराथन मेडल की गिनती में चौथा मेडल जुड़ गया है। छोटा सिंह ने पहले 1951 एशियन गेम्स में गोल्ड जीता था, जबकि सूरत सिंह माथुर ने उसी एडिशन में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। होसुर कुक्कप्पा सीतारण ने 1982 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता। बरवाल का सिल्वर मेडल अब 44 सालों में कॉन्टिनेंटल इवेंट में भारत का पहला मैराथन मेडल बन गया है। रेस में दूसरे भारतीय कार्तिक करकेरा 2:22:41 में मैराथन पूरी करके 17वें स्थान पर रहे।

जोशना-सेंथिलकुमार की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में हारे

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने स्क्वैश में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की जोड़ी ली का यी और तांग मिंग होंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एक बेहद रोमांचक और करीबी मुकाबले में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार सेमीफाइनल में 1-2 (10-11, 11-2, 10-11) से हार गई। इस हार के साथ उनका फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी 10-8 से आगे थी और उसके पास मैच जीतने के तीन मौके थे। हालांकि, वे इन मौकों का फायदा नहीं उठा सके। दबाव भरे क्षणों में जोशना का एक शॉट बाहर चला गया, जिससे वे निर्णायक गेम हार गए और उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। यह चिनप्पा का छठा एशियन गेम्स मेडल है। इससे पहले यह अनुभवी खिलाड़ी तीन ब्रॉन्ज और दो सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, उनके मेडल कलेक्शन में अभी भी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट का गोल्ड मेडल शामिल नहीं हो पाया है।

चारों क्वार्टर फाइनल की टीमें तय, भारत का अफगानिस्तान से होगा मुकाबला

नई दिल्ली । एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए। लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है। लीग स्टेज में हुए मुकाबलों में 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप ए में नेपाल, अफगानिस्तान और जापान शामिल थे, जबकि ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान शामिल थे। ग्रुप ए से नेपाल और अफगानिस्तान तथा ग्रुप बी से मलेशिया और हांगकांग ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान पहले से ही क्वार्टर फाइनल में हैं। क्वार्टर फाइनल के शेड्यूल पर गौर करें तो पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5 :30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10 :30 बजे से खेला जाएगा।
तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5 :30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा।

भारत ने महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में सिल्वर जीता

व्यक्तिगत स्पर्धा में मेडल लाने से चूकीं तिलोत्तमा और विदर्शा

आइची । एशियन गेम्स 2026 में भारत की तिलोत्तमा सेन और विदर्शा के. विनोद व्यक्तिगत शूटिंग मेडल जीतने से चूक गईं। महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा के रोमांचक फाइनल में वे मामूली अंतर से मेडल हासिल नहीं कर सकीं। तिलोत्तमा ब्रॉन्ज मेडल के बहुत करीब थीं। भारतीय शूटर साउथ कोरिया की किम जी-उन पर 0.3 प्वाइंट की बढ़त के साथ तीसरे स्थान के लिए फाइनल शॉट में उतरीं। हालांकि, अपने आखिरी प्रयास में 9.4 स्कोर करने से किम के लिए मौका बन गया, जिन्होंने 10.5 स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। तिलोत्तमा को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। विदर्शा की चुनौती एलिमिनेशन राउंड में पहले ही खत्म हो गई। 10.4 के स्कोर ने उन्हें एक राउंड में बने रहने और कजाकिस्तान की एरिना मालिनोव्स्काया (316.7 स्कोर) से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अगले शॉट में 10.0 स्कोर करने से विदर्शा का फाइनल में सफर खत्म हो गया और वह 327.4 स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। ये करीबी मुकाबले तब हुए जब दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ-शूटर फाइनल में जगह बनाई थी। तिलोत्तमा 590-32× स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर मेडल मुकाबले में उतरी थीं, जबकि विदर्शा ने 588-29× स्कोर के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

आखिरकार चीन ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। हान जियायु ने गोल्ड-मेडल शूटआउट में अपनी ही देश की झांग लियुआन को हराया और निर्णायक शॉट में 10.5 स्कोर करके जीत पक्की की। हान ने 359.0 स्कोर के साथ नया एशियन रिकॉर्ड बनाया, जबकि झांग ने 358.8 स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

मिवा हरिमोटो से हारकर यशस्विनी बाहर

टोयोटा । भारत की यशस्विनी घोरपड़े का एशियन गेम्स 2026 में महिला एकल का अभियान शनिवार को तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी जापान की मिवा हरिमोटो ने यशस्विनी को 9-11, 5-11, 11-4, 4-11, 5-11 से हराया।

हरिमोटो ने मुकाबले में शुरू में ही नियंत्रण बना लिया था और घोरपड़े को एक करीबी शुरुआती गेम में हराया। दूसरा गेम उन्होंने और आसान तरीके से जीता। घोरपड़े ने तीसरे गेम में अपनी लय पाई और 11-4 की जबरदस्त जीत के साथ मोमेंटम को अपनी तरफ मोड़ा। हालांकि, जापानी खिलाड़ी ने जल्दी ही अपना दबदबा वापस पा लिया। हरिमोटो ने चौथे गेम में अपना गेम सुधारा, जिससे घोरपड़े को वापसी करने का मौका नहीं मिला, और पांचवें गेम में मुकाबला जीतकर अगले राउंड में पहुंच गईं। घोरपड़े ने सीरिया की हेंड जाजा पर 4-1 से जीत के साथ तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। एकल से बाहर होने के साथ ही उनका व्यक्तिगत कैंपेन खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने गेम्स में विमेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया था। घोरपड़े और दिया चिताले शुक्रवार को चीन की फैन शुहान और चेन यी से 0-3 से हारने से पहले विमेंस डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंची थीं।

श्रीजा अकुला और सिंड्रेला दास भी डबल्स मुकाबले से बाहर हो गईं; उन्हें तीसरे राउंड में चीन की कुआई मान और वांग मन्यु से 0-3 से हार मिली।

भारत की टेबल टेनिस टीम ने फिर भी नागोया में एक मेडल पक्का कर लिया है।

डिफेंडिंग चैंपियन सात्विक-चिराग पुरुष डबल्स के पहले ही राउंड में बाहर

आइची । डिफेंडिंग चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका टाइटल डिफेंस निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया। पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग काफी मोमेंटम के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया।

सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार पॉइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही, क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया।

सुपोषित थाली के प्रदर्शन के साथ माताओं और बच्चों के पोषण पर हुआ संवाद

आंगन मिलन सेवा से उत्सव स्थल बने आंगनबाड़ी केंद्र पहले दिन 97 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता

एक सत बुलेटिन, रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश में शुक्रवार से शुरू हुई 'आंगन मिलन सेवा' के पहले दिन आंगनबाड़ी केंद्रों में उत्सव जैसा माहौल रहा। राज्यभर में 2,262 स्थानों पर 12,698 गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 97,471 लोगों ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी मुंगेली जिले के मदकू में आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए और माताओं एवं बच्चों के पोषण का संदेश दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती माताओं का स्वागत किया गया। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों, दालों और हरी सब्जियों का प्रदर्शन कर परिवारों को संतुलित भोजन के बारे में बताया गया। सुपोषित थाली के माध्यम से महिलाओं ने जाना कि रोजमर्रा के भोजन में विविध खाद्य पदार्थ शामिल कर माताओं और बच्चों का पोषण कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रमों में बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया और पोषण तथा मातृ स्वास्थ्य से जुड़े अनुभव साझा किए। महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थियों ने बताया कि योजनाओं से मिली सहायता से वे अपनी और अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। आंगन मिलन सेवा के माध्यम से परिवारों और समुदाय को आंगनबाड़ी

केंद्रों से जोड़ते हुए बच्चों के पोषण को साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया गया।

भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत में कोरबा की संजू देवी ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी सुश्री संजू देवी को फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सुश्री संजू देवी से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। कोरबा की संजू देवी ने अपनी मेहनत और खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर, प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के गांवों, आदिवासी अंचलों और छोटे शहरों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें। उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। भारतीय टीम की इस स्वर्णिम सफलता में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की सुश्री संजू देवी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुश्री संजू देवी भारतीय राष्ट्रीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रोजगार मेले में युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

एक सत बुलेटिन, रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्रशासन द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा शासकीय आईटीआई मरवाही के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को आईटीआई परिसर मरवाही में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया। रोजगार मेले में जिले के युवाओं को विभिन्न निजी संस्थानों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जुड़ने, अपनी योग्यता के अनुरूप पदों के लिए आवेदन करने तथा सीधे साक्षात्कार देने का अवसर मिला। रोजगार मेले में 7 निजी संस्थानों द्वारा विभिन्न पदों के लिए कुल 478 रिक्तियों की जानकारी उपलब्ध कराई गई थी। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए युवाओं ने ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया। कुल 778 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए, जिससे जिले के युवाओं में रोजगार के प्रति रुचि और निजी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों को लेकर उत्साह का पता चलता है। रोजगार मेले में आवेदन करने वाले युवाओं को नियोजकों के समक्ष अपनी योग्यता और कौशल प्रस्तुत करने का अवसर मिला। मेला स्थल पर कुल 195 युवाओं ने विभिन्न निजी संस्थानों के प्रतिनिधियों के समक्ष साक्षात्कार दिया। नियोजकों द्वारा युवाओं की शैक्षणिक योग्यता, तकनीकी दक्षता, कौशल और संबंधित पदों के लिए उनकी उपयुक्तता के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी की गई।

तूफान से क्षतिग्रस्त सड़कें-पुल तत्काल सुधारें कहीं भी आवाजाही बाधित न हो : अरुण साव

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों को दुरुस्त करने लोक निर्माण विभाग ने तत्काल कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि क्षतिग्रस्त मार्गों व पुलों की मरम्मत में किसी तरह की देरी न हो और लोगों की आवाजाही कहीं भी प्रभावित न हो। जहां तत्काल सुधार संभव है, वहां संबंधित एजेंसी और ठेकेदार से शीघ्र मरम्मत कराकर यातायात शुरू कराया जाए। ज्यादा नुकसान वाले हिस्सों के पुनर्निर्माण और विशेष मरम्मत के प्रस्ताव भी तेजी से तैयार किए जाएंगे। इसके लिए तत्काल पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश में 24 सितम्बर से 26 सितम्बर तक लगातार हुई बारिश से लगभग सभी नदी-नालों में बाढ़ की स्थिति बनी है और कई स्थानों पर पुल-पुलियों के ऊपर से भी पानी बहा है। पानी उतरने के बाद कई मार्गों और पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने सभी मुख्य अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों और उप अभियंताओं को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता ने सभी मैदानी अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नुकसान का तत्काल आकलन कर संभावित राशि की जानकारी अकाउंटेंट जनरल को भेजते हुए सभी संबंधित कार्यालयों को प्रतिलिपि उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने जहां क्षति का सुधार मौजूदा अनुबंध के दायरे में संबंधित एजेंसी या ठेकेदार से कराया जा सकता है, वहां बिना समय गंवाए मरम्मत कराने को कहा है, ताकि यातायात शीघ्र शुरू हो सके। वहीं जिन हिस्सों में पुनर्निर्माण या विशेष मरम्मत की जरूरत है, उनके प्राक्कलन सक्षम अधिकारी को 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

लगातार बारिश के बीच प्रशासन अलर्ट, जलभराव वाले क्षेत्रों का किया निरीक्षण

भिण्ड। जिले में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर प्रशासन ने संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड ने नायब तहसीलदार, नगर पालिका भिण्ड सीएमओ और नगर पालिका के अमले के साथ विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर मौके की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान किसी भी बस्ती के मकानों में पानी भरने की स्थिति नहीं पाई गई। प्रशासनिक टीम ने निचले इलाकों और जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने नगर पालिका अमले को आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने और लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें।

पुलिस कंट्रोल रूम भिण्ड में मिशन वात्सल्य और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कार्यशाला सहसमन्वय बैठक हुई

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर भिण्ड के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री महेंद्र सिंह अंब और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप पटेल के समन्वय से पुलिस कंट्रोल रूम भिण्ड में मिशन वात्सल्य और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, सपोर्ट पर्सन और बाल देखरेख संस्थाओं के प्रतिनिधियों की कार्यशाला सह समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग से बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना, बाल कल्याण समिति के पदाधिकारी में अध्यक्ष अनुजकांत उदैनिया, श्रीमती सीमा शर्मा सदस्य, इंद्रजीत शर्मा सदस्य, सपोर्ट पर्सन, विशेष किशोर पुलिस इकाई शाखा से मुन्ना सिंह नरवरिया, योगेंद्र बब्बर, जिला अंतर्गत समस्त पुलिस थानों में बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, बाल देखरेख संस्थाओं के प्रतिनिधि शिशु गृह, बालगृह उपस्थित रहे। कार्यशाला में बाल संरक्षण अधिकारी अजय

सक्सेना द्वारा किशोर न्याय अधिनियम एवं पाक्सो अधिनियम के संबंध में विस्तार से चर्चा की और बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों को दायित्वों के बारे में अवगत कराया, स्पष्ट किया गया कि कोई भी पाक्सो पीड़ित यात्रा के समय को छोड़कर 24 घंटे के अंदर बाल कल्याण समिति के समक्ष अनिवार्यता प्रस्तुत हो यह कानून की बाध्यता है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है, साथ यह भी स्पष्ट किया गया कि बालक के मामले में किसी भी बालक को पुलिस थाने में रात्रि में ना रोका जाए, सभी बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों से अपेक्षा की गई की पोक्सो की प्रकरण में पीड़ित व्यक्ति को प्रकरण के संबंध में समस्त जानकारी यथा उसकी मेडिकल रिपोर्ट, विवेचना अधिकारी की जानकारी, उसके वरिष्ठ अधिकारी की जानकारी संपर्क सूत्र सहित उपलब्ध कराई जावे, यह पीड़ित का अधिकार है, साथ ही पोक्सो विक्टिम को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर उसके साथ सपोर्ट पर्सन की नियुक्ति करवाई जावे। सपोर्ट पर्सन का यह दायित्व है कि वह पीड़ित व्यक्ति के प्रकरण के संबंध में समुचित पात्रता अनुसार व्यक्ति को विभिन्न योजनाओं से सलग्न कर लाभ दिलाए। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनुजकांत उदैनिया एवं अन्य सदस्य श्रीमती सीमा शर्मा और इंद्रजीत शर्मा के द्वारा स्पष्ट किया गया कि जिला अंतर्गत अभी भी पाक्सो के समस्त प्रकरण बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जा रहे हैं। उक्त संबंध में भी कार्यवाही की आवश्यकता है। आगे बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा स्पष्ट किया गया के दत्तक ग्रहण के प्रकरण में भी बालक बालिका के मिलने पर दो माह तक ही पुलिस की रिपोर्ट का इंतजार किया जाता है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने की छापामार कार्रवाई, बंगाली स्वीट्स और बजरंग नाश्ता से नमूने लेकर जांच हेतु भोपाल भेजे

भिण्ड। कलेक्टर भिण्ड के निर्देशन में तथा अभिहित अधिकारी के आदेश पर आज बंगाली स्वीट्स भिण्ड के प्रतिष्ठान पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती किरन सेंगर द्वारा निरीक्षण एवं नमूना कार्यवाही की गई। बंगाली स्वीट्स से यूज्ड कुकिंग ऑयल, बर्फी, मैदा, बेसन के नमूने एवं अटेर रोड़ स्थित बजरंग नाश्ता से बेसन लड्डू एवं यूज्ड कुकिंग ऑयल के नमूने लेकर जांच वास्ते भोपाल भेजे गए।

गोबरा नवापारा के बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुँचे राजस्व एवं आपदा मंत्री, सहायता राशि और पुनर्वास का दिया भरोसा

एक सत बुलेटिन, रायपुर

प्रदेशभर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई जिलों में नदियाँ उफान पर हैं, जिससे निचले और तटीय इलाकों में बाढ़ की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है। अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नवापारा, सोमवारी बाजार, नेहरू घाट, पारागांव, कुटीपारा, टीला सहित नदी के तट पर बसे अनेक गाँव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बीते 25 वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में ऐसा भीषण जलभराव और तबाही का मंजर कभी देखने को नहीं मिला। नवापारा क्षेत्र में बाढ़ का पानी 8 फीट तक बढ़ जाने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। क्षेत्र में बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए स्थानीय प्रशासन मुस्तैदी से राहत और बचाव कार्य में जुट गया है। अब तक लगभग 2,000 प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों और प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत केंद्रों में स्थानांतरित किया जा चुका है। बाढ़ पीड़ितों को विशेष रूप से बनाए गए सुरक्षित राहत केंद्रों में ठहराया गया है, जहाँ उनके भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है आपदा की इस घड़ी में स्थिति का जायजा लेने राजस्व एवं आपदा मंत्री श्री वर्मा ने आज स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत दौरा किया। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुँचकर उनका कुशलक्षेम पूछा और राहत शिविरों में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मंत्री श्री वर्मा ने प्रभावितों से सीधा संवाद कर उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि राज्य की श्री विष्णु देव साय सरकार इस विपदा की घड़ी में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। 5-5 हजार रुपये का तात्कालिक अनुदान चेक वितरित, मकानों के पुनर्निर्माण का आश्वासन।

कलेक्टर ने प्रशिक्षण का किया अवलोकन, स्वयं भी आजमाई चूड़ी बनाने की कला

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रशासन द्वारा समूह की महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ते हुए नए कौशल से प्रशिक्षित करने की दिशा में अभिनव पहल की जा रही है। जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से उन्हें कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड सूरजपुर में सिलफिली के मदनपुर में चूड़ियों को आकार देते हाथ अब अपनी आजीविका की नई राह भी गढ़ रहे हैं। यहां समूह की 200 से अधिक महिलाएं कौशल प्रशिक्षण के तहत चूड़ी बनाना सीख रही हैं। जहां महिलाएं कांच, मेटल एवं लाख की चूड़ियां बनाने का प्रशिक्षण ले रही हैं। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रशिक्षण स्थल पहुंचकर संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं से बातचीत की और चूड़ी बनाने की प्रक्रिया को देखा और समझा। और उनसे इस काम को सीखने के अनुभव के बारे में पूछा। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी जिस लगन से चूड़ी बनाना सीख रही हैं, वही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। अभ्यास के साथ आपका हुनर और निखरेगा। आपकी अपने हाथों से बनी चूड़ियां आपकी पहचान बनेंगी उन्होंने कहा कि लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

आवश्यक कार्य न होने की स्थिति में ऐनीकट तथा नदी के किनारे न जाने की अपील

दुर्ग में लगातार बारिश में फंसे 200 परिवारों को रेस्क्यू कर 16 राहत शिविरों में ठहराया गया

एक सत बुलेटिन, दुर्ग

दुर्ग जिले में पिछले 24 एवं 25 सितंबर को लगातार बारिश होने से नदी नाले उफान पर चल रहे है। अनवरत बारिश होने से नगर निगम दुर्ग, भिलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों के 13 ग्रामीण इलाक़े के 200 घरों में पानी भर जाने के कारण 764 व्यक्तियों को एसडीआरएफ तथा स्थानीय पार्षद एवं अन्य व्यक्तियों तथा प्रशासन की मदद से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया है। नजदीकी सामुदायिक केंद्र, पंचायत भवन, शालाओं को अस्थाई राहत कैम्प बनाकर सभी प्रभावितों को शिफ्ट किया गया है। दुर्ग जिले में अभी तक कुल 16 राहत कैम्प बनाया जाकर प्रभावितों को भोजन पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं दी जा रही है। दुर्ग तहसील के 52 परिवारों/घरों के 268 लोगों को 05 अस्थायी राहत शिविर में रुकवाया गया है। प्रभावित क्षेत्र में दुर्ग तहसील अंतर्गत निगम क्षेत्र पुलगांव वार्ड नंबर 55 में 13 घरों के 48 प्रभावित व्यक्तियों को नगर निगम की टीम द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा सामुदायिक भवन पुलगांव में शिफ्ट किया गया है। भिलाई निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 41 में 05 घरों में जलभराव होने पर 30 व्यक्तियों को रेस्क्यू कर अस्थायी राहत एसएलआरएम सेंटर में ठहराया गया है। दुर्ग जिले के ग्रामीण अंचल के ग्राम डंडेसरा के 02 घरों के 03 प्रभावितों को ग्राम पंचायत भवन में, ग्राम मालूद के 02 घरों के 07 प्रभावितों को मितानिन भवन में, तथा ग्राम भरदा के ईंट भट्ठा क्षेत्र में अत्यधिक जलभराव होने की सूचना पर 35 मकानों के 210 लोगों को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक शाला भवन में रुकवाया गया है। सभी के भोजन पानी एवं रुकने की व्यवस्था इन अस्थाई शिविरों में की गई है। इसी प्रकार से पाटन तहसील के 07 ग्रामों के 117 परिवारों के 345 व्यक्तियों को 05 राहत कैम्प में ठहराया गया है। जिसमें नगर पालिका क्षेत्र अमलेश्वर से लगा हुआ बोथली में 03 घरों के 12 व्यक्तियों का एसडीआरएफ द्वारा रेस्क्यू कर पंचायत भवन में शिफ्ट किया गया है। ग्राम पाहंदा के 04 घरों के 40 व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर उनकी इच्छानुसार उनके रिश्तेदारों के यहां सुरक्षित पहुंचाया गया। पाटन क्षेत्र के ही ग्राम खुड़मुड़ा में 01 परिवार के 02 महिलाओं को एसडीआरएफ द्वारा बोट के माध्यम से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकालकर अमलेश्वर के उसके दूसरे निजी मकान में उनकी इच्छानुसार पंहुचवाया गया। ग्राम जामराव के 35 घरों के 147 व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर 52 व्यक्तियों को पंचायत भवन में तथा शेष को उनके कहे अनुसार उनके रिश्तेदारों के घर पंहुचवाया गया। ग्राम केसरा के 70 घरों के 135 लोगो को राहत कैम्प पंचायत भवन, शाला भवन तथा सामुदायिक भवन में सुरक्षित ठहराया गया है। ग्राम रिवागहन के 02 घरों के 05 लोगो को रेस्क्यू कर उनके रिश्तेदारों के यहां तथा ग्राम किकिरमेता के 01 घर के 04 लोगों को भी उनके परिचित के घर सुरक्षित ठहराया गया है। तहसील अहिवारा के अकोला ग्राम पुरानी बस्ती के प्रभावित 10 घरों के 46 लोगों को सुरक्षित निकालकर सामुदायिक केंद्र अकोला राहत कैम्प में ठहराया गया है।

नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित

अपराध घटित होने से लेकर नागरिक को न्याय मिलने तक की पूरी प्रक्रिया को प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया जाएगा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन 3 अक्टूबर 2026 को किया जाना प्रस्तावित है। प्रदर्शनी की तैयारियों को लेकर पुलिस मुख्यालय, भोपाल के कॉन्फ्रेंस हॉल में विशेष पुलिस महानिदेशक श्री पंकज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीआईजी श्री साकेत प्रकाश पांडे, डीआईजी डॉ. विनीत कपूर पीएसओ टू डीजीपी, डीआईजी (ष्ठ्ढष्ठ) श्री प्रशांत खरे, डायरेक्टर स्नस्रुश्री राहुल कुमार लोढ़ा, स्नस्रुके जॉइंट डायरेक्टर सहित जेल, अभियोजन, स्वास्थ्य, पर्यटन सहित विभिन्न संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रदर्शनी की रूपरेखा, विभिन्न विभागों की सहभागिता तथा अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आम नागरिकों को नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों तथा अपराध की घटना से लेकर न्याय मिलने तक की पूरी प्रक्रिया को सरल, सहज एवं रोचक तरीके से समझाना है। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित व्यवस्थाओं, तकनीक, नवाचारों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में पुलिस की कार्यप्रणाली को चरणबद्ध तरीके से दर्शाया जाएगा। इसमें थाने में अथवा राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 में सूचना प्राप्त होने, घटनास्थल पर पुलिस एवं एफएसएल टीम के पहुंचने, साक्ष्य संकलन एवं वैज्ञानिक विवेचना, पुलिस थाने में प्रकरण की कार्यवाही, सीसीटीएनएस, मालखाना एवं अन्य डिजिटल व्यवस्थाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद अभियोजन की भूमिका, जिला न्यायालय में प्रकरण की कार्यवाही, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी तथा उच्च न्यायालय में अपील की प्रक्रिया को भी प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में आधुनिक तकनीक के उपयोग को विशेष रूप से दर्शाया जाएगा। वीडियो, डिजिटल स्क्रीन, पोस्टर, मॉडल एवं अन्य दृश्य माध्यमों से नागरिकों को बताया जाएगा कि नवीन आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद आपराधिक न्याय प्रणाली में तकनीक और वैज्ञानिक साक्ष्यों का किस प्रकार उपयोग किया जा रहा है। साइबर अपराध, एफएसएल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा अन्य आधुनिक पुलिसिंग व्यवस्थाओं से संबंधित सामग्री भी प्रदर्शित की जाएगी। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न उपलब्धियों एवं उल्लेखनीय कार्यों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें साइबर अपराध के प्रति जागरूकता एवं साइबर क्विज, नक्सल उन्मूलन सहित पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों (नशे से दूरी है जरूरी/सेफ क्लिक), नवाचारों और जनहितकारी पहलों की जानकारी डिजिटल माध्यम, वीडियो, पोस्टर एवं अन्य दृश्य माध्यमों से नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित स्टॉल के लिए नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपने, आवश्यक फोटोग्राफ, वीडियो, लिखित सामग्री, अन्य संसाधन उपलब्ध कराने तथा प्रदर्शनी तैयार करने वाली एजेंसी के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को अपने-अपने स्टॉल को प्रभावी एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की विशिष्ट सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान को भी दर्शाया जाएगा। प्रवेश द्वार एवं विभिन्न स्थानों की सज्जा, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों, वन एवं वन्यजीवन, पारंपरिक कला-संस्कृति तथा जनजातीय विरासत की झलक शामिल करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदर्शनी लगभग पांच दिनों तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए निर्धारित स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल तैयार किए जाएंगे तथा 3 अक्टूबर से प्रदर्शनी आम नागरिकों के लिए संचालित होगी। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई।

मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की आशी चौकसे ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम इवेंट में जीता सिल्वर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

एशियन गेम्स 2026 में मध्यप्रदेश की प्रतिभावान निशानेबाज एवं मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी आशी चौकसे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नागोया में आयोजित महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम स्पर्धा में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदरसा के. विनोद की भारतीय टीम ने 1763 अंक अर्जित कर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंकों के साथ स्वर्ण तथा कजाकिस्तान ने 1754 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। आशी ने 585 अंक के साथ टीम की पदक जीत में दिया अहम योगदान 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन की क्वालिफिकेशन स्पर्धा में आशी चौकसे ने 585 अंक अर्जित किए। उन्होंने नीलिंग पोजिशन में 196 और प्रोन पोजिशन में शानदार 199 अंक हासिल किए। स्टैंडिंग पोजिशन में 93 और 97 की सीरीज के साथ उन्होंने टीम के कुल स्कोर को मजबूत आधार दिया। आशी व्यक्तिगत फाइनल में स्थान नहीं बना सकीं, लेकिन उनका प्रदर्शन भारतीय टीम के संयुक्त 1763 अंकों में महत्वपूर्ण रहा। 2017 में शुरू हुआ सफर, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बनाई पहचान भोपाल में जन्मीं आशी चौकसे ने वर्ष 2017 में कक्षा 9वीं के दौरान नेशनल कैडेट कोर के माध्यम से शूटिंग की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। कोच सुमा शिरूर और वैभव शर्मा के मार्गदर्शन में आशी ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

आंगन मिलन सेवा' का शुभारंभ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों का सम्मान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को स्थानीय हिन्दी भवन में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महापौर श्रीमती मालती राय ने विधायक भगवानदास सबनानी की मौजूदगी में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों का सम्मान किया गया। महापौर ने महिला एवं बाल स्वास्थ्य तथा जनसेवा से जुड़े कार्यों में योगदान देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आशा दीदियां शामिल हुई। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं जिला भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र यती, महापौर परिषद के सदस्य आरके सिंह बघेल और सुषमा बावीसा, पूजा शर्मा और विनीता सोनी सहित पार्षद प्रियंका मिश्रा, सरोज असेरी, बबीता डोंगरे, अनिता शुक्रवारे और गिरिजा खटीक मौजूद रहीं।

नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 3 अक्टूबर को नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रस्तावित है। तैयारियों को लेकर पुलिस मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की सहभागिता और तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रदर्शनी में आम नागरिकों को अपराध घटित होने से लेकर न्याय मिलने तक की पूरी प्रक्रिया सरल और रोचक तरीके से समझाई जाएगी। पुलिस को सूचना मिलने, डायल-112 से घटनास्थल पर पहुंचने, एफएसएल टीम द्वारा साक्ष्य संकलन, वैज्ञानिक विवेचना, थाने में प्रकरण की कार्रवाई, सीसीटीएनएस और डिजिटल व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद अभियोजन की भूमिका, जिला न्यायालय की कार्रवाई, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी और उच्च न्यायालय में अपील की प्रक्रिया भी दिखाई जाएगी।

नरेंद्र शिवाजी पटेल की उपस्थिति में अपोलो सेज अस्पताल भोपाल से किया गया रवाना

'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' से मरीज व्रजेश पावागढ़ी को उन्नत उपचार के लिए भोपाल से अहमदाबाद किया गया एयरलिफ्ट

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

प्रदेश सरकार की जनसंवेदनशील प्राथमिकताओं एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवा पहल के अंतर्गत 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' के माध्यम से 29 वर्षीय मरीज श्री व्रजेश महेश पावागढ़ी को भोपाल से अहमदाबाद के लिए सफलतापूर्वक एयरलिफ्ट किया गया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहे। मंत्री श्री पटेल ने एयरलिफ्टिंग प्रक्रिया का जायजा लेते हुए चिकित्सकों एवं प्राधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए तथा मरीज के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से प्रार्थना की। मरीज श्री व्रजेश पावागढ़ी का इलाज भोपाल स्थित अपोलो सेज अस्पताल में चल रहा था। स्थिति की गंभीरता और त्वरित उच्च स्तरीय चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें अपोलो अस्पताल, अहमदाबाद के लिए रेफर किया गया है। राज्य सरकार द्वारा संचालित 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' आपातकालीन एवं क्रिटिकल केयर स्थितियों में मरीजों को अंतरराज्यीय व अंतरज़िला स्तर पर त्वरित और सुगम चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। समय पर मिली इस सेवा से कई अनमोल जीवनों की रक्षा संभव हो सकी है।

समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो विज्ञान और नवाचार: लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य समाज की समस्याओं का समाधान करना और मानव जीवन को बेहतर बनाना है। विद्यार्थियों को केवल पुरस्कार अथवा प्रमाण-पत्र के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने के उद्देश्य से नवाचार करना चाहिए। उनमें से ही भविष्य के डॉक्टर, वैज्ञानिक और राष्ट्र निर्माता तैयार होंगे। मंत्री सिंह शनिवार को ज्ञान-विज्ञान भवन, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित 'भोपाल विज्ञान मेला' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।मंत्री सिंह ने विज्ञान भारती और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेले में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडल केवल प्रदर्शन अथवा पुरस्कार तक सीमित नहीं हैं। ये मॉडल वर्तमान समस्याओं के समाधान और भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। विज्ञान भारती द्वारा ऐसे नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है।मंत्री सिंह ने कहा कि भारत की ज्ञान-परंपरा और विज्ञान सदियों से साथ-साथ आगे बढ़ते रहे हैं। शून्य की खोज से लेकर गणित, खगोल, मौसम और अन्य क्षेत्रों तक भारतीय मनीषियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महाकवि कालिदास के 'मेघदूत' में मानसून की गति, प्रकृति और ऋतु परिवर्तन का अत्यंत सूक्ष्म वर्णन मिलता है, जो भारतीय चिंतन की व्यापकता और वैज्ञानिक दृष्टि को प्रकट करता है।

मप्र में बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ा, पुल डूबे

भोपाल। डिंडौरी और उमरिया में पिछले तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नर्मदा सहित सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। डिंडोरी के जोगी टिकरिया का पुल डूबा हुआ है। पिछले सात घंटे से जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे 45 पर आवागमन प्रभावित है।
डिंडौरी के शहपुरा स्थित बिलगांव बांध के दो गेट खोल दिए गए हैं। सतना-मैहर के साथ उमरिया जिले में विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर 26 सितंबर को सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

समपार फाटक क्रमांक 233 पर अनुरक्षण कार्य के चलते 29 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक सड़क यातायात रहेगा बंद

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के नर्मदापुरम यार्ड में स्थित ईदगाह समपार फाटक क्रमांक 233 (किमी 763/26N-30N) पर आवश्यक अनुरक्षण कार्य किया जाना है। इसके अंतर्गत ओवरहॉलिंग कार्य किया जाएगा। उक्त कार्य के मद्देनजर समपार फाटक को 29 सितम्बर 2026 की सुबह 08:00 बजे से 04 अक्टूबर 2026 की शाम 18:00 बजे तक कुल 06 दिनों के लिए सड़क यातायात हेतु पूर्णतः बंद रखा जाएगा। रेल प्रशासन द्वारा यह कार्य रेल परिचालन की संरक्षा एवं समपार फाटक की कार्यक्षमता को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्य अवधि के दौरान समपार फाटक से सड़क यातायात का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। रेल प्रशासन ने आमजन एवं वाहन चालकों से अपील की है कि निर्धारित अवधि के दौरान समपार फाटक की ओर जाने वाले मार्ग का उपयोग न करें तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

भोपाल मंडल होकर संचालित कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित

कसारा में तीसरी रेल लाइन परियोजना के कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य रेलवे के मुंबई मंडल के कसारा स्टेशन पर आसनगाँव-कसारा तीसरी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत रेल यातायात एवं विद्युत ब्लॉक कल्याण-इगतपुरी रेलखंड पर लिया जा रहा है। इस कार्य के कारण अक्टूबर माह में विभिन्न तिथियों पर कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। इसके अंतर्गत भोपाल मंडल होकर संचालित होने वाली कुछ ट्रेने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार है- भोपाल मंडल होकर संचालित निम्न ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित रहेगा– 1.गाड़ी संख्या 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस दिनांक 14 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर कल्याण-करजत-पुणे-मनमाड होकर चलेगी। 2.गाड़ी संख्या 11043 दादर-बलिया एक्सप्रेस दिनांक 14 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर कल्याण-करजत-पुणे-मनमाड होकर चलेगी। 3.गाड़ी संख्या 12533 गोमतीनगर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पुष्पक एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर जलगांव-नंदुरबार-बसई रोड-ठाणे होकर चलेगी। 4.गाड़ी संख्या 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर बसई रोड-नंदुरबार-जलगाँव होकर चलेगी। 5.गाड़ी संख्या 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर बसई रोड-नंदुरबार-जलगाँव होकर चलेगी।6.गाड़ी संख्या 15018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को जलगांव-नंदुरबार-बसई रोड-ठाणे होकर चलेगी। 7. गाड़ी संख्या 12172 हरिद्वार-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को जलगांव-नंदुरबार-बसई रोड-ठाणे होकर चलेगी। 8. गाड़ी संख्या 22537 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस कुशीनगर एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को जलगांव-नंदुरबार- बसई रोड-ठाणे होकर चलेगी। 9.गाड़ी संख्या 12617 एर्नाकुलम-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को बसई रोड-नंदुरबार-जलगांव होकर चलेगी। 10.गाड़ी संख्या 13202 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-राजगीर एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को ठाणे-बसई रोड-नंदुरबार-जलगांव होकर चलेगी। 11.गाड़ी संख्या 22221 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को ठाणे-बसई रोड-नंदुरबार-जलगांव होकर चलेगी। 12.गाड़ी संख्या 12137 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-फिरोजपुर एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को ठाणे-बसई रोड-नंदुरबार-जलगांव होकर चलेगी। 13.गाड़ी संख्या 15660 अगरतला- लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 15 अक्टूबर को मनमाड-पुणे-लोनावला-कल्याण होकर चलेगी। 14.गाड़ी संख्या 12166 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को मनमाड़-पुणे-लोणावला-कल्याण होकर चलेगी। 15.गाड़ी संख्या 11058 अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को मनमाड़-पुणे-लोणावला-कल्याण होकर चलेगी। 16. गाड़ी संख्या 12335 भागलपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 16 अक्टूबर को मनमाड़-पुणे-लोणावला-कल्याण होकर चलेगी। 17. गाड़ी संख्या 22121 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-लखनऊ एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को कल्याण-करजत-पुणे-मनमाड होकर चलेगी।18.गाड़ी संख्या 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को कल्याण-करजत-पुणे-मनमाड होकर चलेगी। 19. गाड़ी संख्या 11047 दादर-गोरखपुर एक्सप्रेस दिनांक 17 अक्टूबर को कल्याण-करजत-पुणे-मनमाड होकर चलेगी।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088